कटनी, जबलपुर, भोपाल, मंडला, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक 273 ● कटनी ● गुरुवार, 5 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 11 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।

यूजर्स की पोस्ट के लिए सोशल मीडिया कंपनियां भी होंगी जिम्मेदार, सरकार सेफ हार्बर सुरक्षा खत्म करने की तैयारी में

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स (X) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की कानूनी जवाबदेही बढ़ाने की तैयारी कर रही है। सरकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में बदलाव कर इन कंपनियों को मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा खत्म करने पर विचार कर रही है। ऐसा होने पर यूजर्स की ओर से पोस्ट किए गए कंटेंट, वीडियो और कमेंट के लिए सोशल मीडिया कंपनियों को भी कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकेगा। अभी तक इन प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स की सामग्री के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं माना जाता। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने इस संबंध में सोशल मीडिया नियमों में संभावित बदलावों पर चर्चा शुरू कर दी है। प्रस्ताव के तहत आईटी एक्ट की धारा 79 के अंतर्गत मिलने वाली कानूनी सुरक्षा के दायरे को सीमित किया जा सकता है। सरकार इस सुरक्षा को सोशल मीडिया कंपनियों से हटाकर इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, टेलीकॉम और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स तक सीमित करने पर विचार कर रही है। वर्तमान व्यवस्था में आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को सेफ हार्बर का संरक्षण मिलता है। इसका मतलब है कि किसी यूजर की ओर से पोस्ट की गई सामग्री के लिए प्लेटफॉर्म को सामान्यतः जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता, बशर्ते वह कानून के तहत निर्धारित शर्तों और उचित सावधानियों का पालन करे। इसी व्यवस्था के चलते मेटा, गूगल और एक्स जैसी कंपनियां यूजर जनरेटेड कंटेंट के आधार पर बड़े कारोबारी साम्राज्य खड़े कर सकी हैं।सरकार के एक वर्ग का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अब केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं रह गए हैं।



चारधाम में पारा माइनस 13 डिग्री तक लुढ़का, उप्र के 10 शहर कोहरे की चपेट में

तेलंगाना में बाढ़ के बीच दो रेस्क्यू बोट पलटीं, 11 जवान लापता; नोएडा का एक्यूआई 405 पहुंचा, कई शहरों की हवा बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी। *देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के तेवर बदलने लगे हैं। उत्तराखंड के चारों धामों में तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। गंगोत्री में न्यूनतम तापमान माइनस 13 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि बद्रीनाथ में पारा माइनस 9 और केदारनाथ में माइनस 8 डिग्री तक लुढ़क गया। यमुनोत्री में भी तापमान माइनस 6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। चार दिन पहले केदारनाथ में हुई बर्फबारी के बाद बर्फ अब तक नहीं पिघली है। पहाड़ी इलाकों में बढ़ती ठंड के बीच मौसम विभाग ने उत्तराखंड में 12 नवंबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है।*



उत्तर प्रदेश में भी मौसम का मिजाज बदलने लगा है। सुबह और शाम ठंड का अहसास बढ़ रहा है, वहीं कई शहरों में घना कोहरा छाने लगा है। गुरुवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज और मेरठ समेत प्रदेश के 10 शहर कोहरे की चपेट में रहे। दूसरी ओर वायु प्रदूषण ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 405 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में है। गाजियाबाद, हापुड़ और बागपत की हवा भी रेड जोन में पहुंच गई है। इधर, तेलंगाना के खम्मम जिले में बाढ़ के बीच बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को बाढ़ के पानी में दो रेस्क्यू बोट पलट गईं। इनमें एसडीआरएफ और फायर सर्विस के 11 जवान सवार थे। सभी जवान बाढ़ में फंसे मछुआरों को बचाने के लिए अभियान पर निकले थे। नाव पलटने के बाद सभी जवान लापता हो गए। उनकी तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में भी भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन प्रभावित है। आंध्रप्रदेश के एलुरु जिले में पेड्डा वागु नदी में आई बाढ़ के कारण पुल का स्ट्रक्चर बह गया। राजामहेंद्रवरम में पुलिसकर्मी बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने में जुटे हैं। वहीं, चेन्नई के गोपालपुरम में भारी बारिश से निचले इलाके जलमग्न हो गए। सड़क पार करने की कोशिश में कुछ लोग बाढ़ के पानी में फंस गए, जिन्हें निकालने के प्रयास किए गए। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में तूफान मुरासु के प्रभाव से लगातार दूसरे दिन बारिश जारी रही। इससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश में अगले छह दिनों तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 नवंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप खिलेगी, जिससे लोगों को ठंड से राहत मिल सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती, डिस्चार्ज होने के कुछ घंटे बाद ही बिगड़ी तबीयत

मुंबई, यशभारत। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को बुधवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए भर्ती कराया गया। खास बात यह है कि उन्हें कुछ घंटे पहले ही पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक से छुट्टी मिली थी। सीने में सांस लेने के दौरान दर्द (प्ल्यूरिटिक पेन) की शिकायत के बाद उन्हें दो दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आगे की जांच की आवश्यकता को देखते हुए उन्हें मुंबई लाया गया। उनकी बेटी और पार्टी सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन कर शरद पवार के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।



कारगिल में सेना का वाहन 600 फीट गहरी खाई में गिरा, दो जवानों की मौत

कारगिल ,ईएमएस। लद्दाख के कारगिल में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में सेना के दो जवानों की मौत हो गई। सेना का वाहन सड़क से फिसलकर करीब 600 फीट गहरी खाई में जा गिरा। हादसा कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर नामिका ला दर्रे के पास दोपहर करीब 1ः30 बजे हुआ। दुर्घटना के समय वाहन में केवल दो जवान सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और खाई में उतरकर दोनों जवानों के शव बरामद किए। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिरा। हादसे के कारणों की विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

तमिलनाडु-केरल में ईडी की 11 जगह छापेमारी, को-ऑपरेटिव सोसायटी में करोड़ों की हेराफेरी का आरोप

नई दिल्ली ईएमएस। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को तमिलनाडु और केरल में 11 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई भारत लजना मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव सोसायटी और उसके प्रमोटर आर. प्रेमकुमार के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई। ईडी की कोच्चि यूनिट ने पीएमएलए के तहत यह कार्रवाई की। एजेंसी के मुताबिक, प्रेमकुमार सोसायटी के संस्थापक सदस्य होने के साथ वास्तविक चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर भी हैं। आरोप है कि उन्होंने सोसायटी में लोगों द्वारा जमा कराई गई करोड़ों रुपये की रकम अपनी पत्नी और रिश्तेदारों के बैंक खातों में ट्रांसफर कराई। जांच एजेंसी का यह भी आरोप है कि सोसायटी का रागम थिएटर गिरवी रखकर प्राप्त रकम संस्था के खाते में जमा नहीं कराई गई। इसके अलावा कांचीपुरम में करीब 500 एकड़ जमीन पत्नी के नाम पर खरीदने का आरोप भी है।

भाजपा-कांग्रेस समेत 68 दलों के संविधान चुनाव आयोग के रिकॉर्ड से गायब, नौ महीने बाद भी नहीं हुआ अपडेट



नई दिल्ली, यशभारत। *राजनीतिक दलों के कामकाज में पारदर्शिता लाने और उनके संगठनात्मक ढांचे की जानकारी सार्वजनिक करने के चुनाव आयोग के निर्देशों का देश की अधिकांश राजनीतिक पार्टियां पालन नहीं कर रही हैं। आयोग के आदेश के नौ महीने बाद भी भाजपा, कांग्रेस समेत 68 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के नए संविधान और संशोधित नियम सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो सके हैं। देश के कुल 73 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से केवल पांच ने ही आयोग के निर्देश के बाद अपने संविधान और संगठनात्मक नियमों की जानकारी अपडेट कराई है।*

चुनाव आयोग ने 8 दिसंबर 2025 को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपने संविधान में किए गए संशोधनों और संगठनात्मक नियमों की अद्यतन जानकारी आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था। इसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की आंतरिक कार्यप्रणाली, संगठनात्मक चुनाव और निर्णय लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना था। इसके बावजूद अधिकांश दलों ने अब तक इस दिशा में जरूरी कार्रवाई नहीं की है। आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड के मुताबिक, निर्देश के बाद जिन पांच दलों ने अपने दस्तावेज अपडेट कराए हैं, उनमें एआईएमआईएम, बीजू जनता दल, रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी, वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी शामिल हैं। इसके उलट देश के छह राष्ट्रीय दलों में से किसी ने भी निर्देश के बाद अपने संविधान को नई तारीख के साथ सार्वजनिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं कराया है। इन राष्ट्रीय दलों में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी शामिल हैं। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संविधान पर जुलाई 2022 और शिवसेना के संगठनात्मक दस्तावेज पर मई 2022 की तारीख दर्ज है। इससे राजनीतिक दलों के संगठनात्मक दस्तावेजों को नियमित रूप से अपडेट करने की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।



हैदराबाद में 6.78 करोड़ के जाली नोट बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। *तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में पुलिस ने नकली नोट बनाने और उन्हें बाजार में चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6.78 करोड़ रुपये मूल्य के जाली नोट बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, बरामद सभी नोट 500 रुपये के हैं।*

फ्यूचर सिटी के पुलिस कमिश्नर तरुण जोशी ने बताया कि अब्दुल्लापुरमेट पुलिस और शादनगर स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। एक नवंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग-65 पर रामोजी फिल्म सिटी के पास पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोककर उसमें सवार आरोपियों को पकड़ा। कार की तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में नकली नोट मिले। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर जाली नोटों के स्रोत और उनके इस्तेमाल के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गिरोह नकली नोट कहां छापता था और उन्हें बाजार में किस तरह पहुंचाता था। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क, नकली नोट छापने के ठिकाने और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच जारी है। बरामद नोटों की मात्रा को देखते हुए पुलिस इस गिरोह के अन्य संपर्कों और संभावित सहयोगियों का भी पता लगा रही है।

अमेरिकी चुनाव के असर से शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल, सेंसेक्स 1400 अंक चढ़ा

निफ्टी में 400 अंकों की तेजी, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में जोरदार खरीदारी; कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा



मुंबई, यशभारत। *अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को संसद में बहुमत गंवाने के बाद भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। गुरुवार 5 नवंबर को कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1400 अंक (1.75 प्रतिशत) उछलकर 78,700 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी में भी करीब 400 अंकों की बढ़त दर्ज की गई और यह 24,350 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। बाजार में बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली।*

शेयर बाजार में इस तेजी के पीछे अमेरिकी चुनाव के नतीजों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट को प्रमुख वजह माना जा रहा है। अमेरिकी कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प पर अपनी नीतियों को लेकर राजनीतिक दबाव बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसका असर वैश्विक बाजारों पर भी दिखाई देने लगा है। दरअसल, अमेरिका में राजनीतिक समीकरण बदलने के बाद अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने का दबाव बढ़ने की उम्मीद है। निवेशकों को आशंका है कि युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा कीमतों में अब नरमी आ सकती है। इसी उम्मीद के चलते कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत गिरकर 94 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। दोनों ही प्रमुख कच्चे तेल के मानक करीब दो महीने के निचले स्तर पर आ गए हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए राहत भरी मानी जाती है। इससे देश के आयात बिल, महंगाई और कंपनियों की उत्पादन लागत पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि वैश्विक घटनाक्रम के बीच घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और बाजार में चौतरफा खरीदारी का माहौल बना।



दिल्ली में निर्माणाधीन इमारत ढही, चार लोगों का रेस्क्यू,दो के मलबे में दबे होने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में गुरुवार सुबह एक तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत अचानक ढह गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इमारत के मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका के बीच राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। बचाव दल ने अब तक चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि दो अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर एनडीआरएफ की टीम और दमकल विभाग की छह गाड़ियां तैनात हैं। मलबा हटाने और अंदर फंसे लोगों को तलाशने का काम जारी है।

जानकारी के अनुसार, हादसा गुरुवार सुबह करीब 9ः50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के नजदीक गली सितारा में हुआ। तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इमारत गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। इसके बाद राहत एवं बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर अभियान शुरू किया। बचाव कार्य में पानी के टैंकर और विशेष रेस्क्यू वाहन भी लगाए गए हैं। मलबे में दबे लोगों तक पहुंचने के लिए सावधानीपूर्वक मलबा हटाया जा रहा है।

अबू धाबी में मनाया गया भगवान बिरसा मुंडा का जयंती समारोह

प्रवासी भारतीयों ने दिखाई सांस्कृतिक एकजुटता



अबू धाबी, यशभारत। बिहार एंड झारखंड समाज, अबू धाबी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा दिवस के अवसर पर भारतीय दूतावास, अबू धाबी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रगीतों के गायन तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और आदिवासी संस्कृति पर आधारित बनाई गई पेंटिंग्स की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ ही महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जीवन और उनके योगदान को रेखांकित किया। समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय राजदूत डॉ. दीपक मित्तल ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष, साहस और देश की आजादी में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन देशभक्ति, सामाजिक चेतना और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विदेश में रहते हुए भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों की विरासत को जीवित रखने के लिए बिहार एंड झारखंड समाज सहित अबू धाबी में रह रहे प्रवासी भारतीयों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अबू धाबी में निवासरत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में महिलाओं और बच्चों ने नृत्य एवं गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भारतीय लोक संस्कृति और परंपराओं पर आधारित इन प्रस्तुतियों ने आयोजन को उत्साह, उमंग और रंगों से भर दिया। विदेश की धरती पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। पूरे कार्यक्रम में देशप्रेम, सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण बना रहा।



नागौर में बारूद बनाते समय विस्फोट, दो भाइयों की मौत दूर तक बिखरे शवों के टुकड़े

नागौर ,ईएमएस। राजस्थान के नागौर जिले में गुरुवार सुबह बारूद बनाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट ने इलाके में दहशत फैला दी। बड़ली इलाके में स्थित बारूद के गोदाम में सुबह करीब 9.40 बजे अचानक धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि वहां काम कर रहे दो चचेरे भाइयों के शरीर के कई टुकड़े हो गए। शवों के हिस्से करीब 15 फीट दूर तक बिखर गए। हादसे में 28 वर्षीय मोहम्मद आमिर सौरगर और 32 वर्षीय मुजिद सौरगर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग गोदाम के बाहर जमा हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जिस गोदाम में विस्फोट हुआ, वहां कथित तौर पर अवैध तरीके से पोटेशियम नाइट्रेट मिलाकर बारूद तैयार किया जा रहा था। गोदाम का मालिक अमीन बताया जा रहा है। हालांकि, बारूद बनाने के दौरान अचानक इतना बड़ा विस्फोट कैसे हुआ, इसकी वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। नागौर के पुलिस अधीक्षक जतिन जैन के अनुसार, फैक्ट्री के खुले आंगन में बिजली का पोल भी लगा हुआ था। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी के कारण बारूद में आग लगने और विस्फोट होने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रंप की चुनावी हार पर ईरान में जश्न, तेहरान में अमेरिकी और इस्राइली नेताओं के पोस्टर जलाए

तेहरान, एजेंसी। *अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को लगे बड़े झटके का असर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी दिखाई देने लगा है। चुनावी नतीजों के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में सरकार समर्थकों और कट्टरपंथी समूहों ने जश्न मनाते हुए अमेरिका और इस्राइल के शीर्ष नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर उत्साह भी दिखाई दिया।*



ईरान में इन प्रदर्शनों को ट्रंप प्रशासन की नीतियों और दोनों देशों के बीच जारी तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चुनावी नतीजों को ट्रंप की राजनीतिक मुश्किलों से जोड़कर पेश किया। ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव तथा इस्राइल के साथ अमेरिका की नजदीकी लंबे समय से तेहरान की राजनीति में विरोध का प्रमुख मुद्दा रही है।

महंगाई और ईरान युद्ध ने बढ़ाई ट्रंप की मुश्किलें

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को हुए नुकसान के पीछे घरेलू अर्थव्यवस्था और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों को अहम माना जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान पेट्रोल की बढ़ती कीमतें, रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की महंगाई और ईरान के साथ सैन्य टकराव मतदाताओं के बीच चर्चा के प्रमुख विषय रहे। डेमोक्रेटिक पार्टी ने इन मुद्दों को उठाकर ट्रंप प्रशासन को घेरा। माना जा रहा है कि महंगाई और युद्ध से पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता ने रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ माहौल बनाने में भूमिका निभाई। ईरान से जुड़े संघर्ष को लेकर अमेरिकी नागरिकों की चिंता भी ट्रंप प्रशासन के लिए चुनौती बनी। युद्ध के आर्थिक प्रभावों और विदेश नीति को लेकर उठे सवालों ने चुनावी बहस को प्रभावित किया। नतीजों के बाद ईरान में हुए प्रदर्शनों को इसी राजनीतिक घटनाक्रम की अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप बोले- दोबारा मौका मिला तो ईरान पर करेंगे हमला

चुनावी झटके के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जिससे अमेरिकी नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ा। हालांकि, उनका कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना जरूरी था।

ट्रम्प ने माना- ईरान जंग के कारण मिडटर्म हार

मौका मिला तो फिर करेंगे हमला



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्वीकार किया है कि ईरान के साथ युद्ध का असर मिडटर्म चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के प्रदर्शन पर पड़ा और उसे बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा। चुनाव में पार्टी दोनों सदनों में अपना बहुमत गंवा चुकी है। इसके बावजूद ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को सही ठहराते हुए साफ कहा कि अगर उन्हें दोबारा फैसला लेने का मौका मिला तो वह फिर हमला करेंगे। उनका कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई करना जरूरी था और इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं था।रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने माना कि ईरान के साथ युद्ध के चलते कुछ समय के लिए अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। इसका असर आम अमेरिकी नागरिकों पर पड़ा और चुनाव में मतदाताओं की नाराजगी भी सामने आई। हालांकि, ट्रम्प ने इस आर्थिक दबाव को सैन्य कार्रवाई रोकने की वजह मानने से इनकार कर दिया।

स्लीमनाबाद टनल का सपना अब साकार

उद्घाटन की तैयारी में सरकार, मुख्यमंत्री कर सकते हैं लोकार्पण

17 साल के इंतजार के बाद निर्माण कार्य अंतिम चरण में, 1610.47 करोड़ रुपये हुए खर्च;

1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर जमीन तक पहुंचेगा नर्मदा जल





कटनी, यशभारत। विंध्य और महाकौशल के किसानों के लिए करीब 17 वर्षों से देखा जा रहा नर्मदा जल का सपना अब हकीकत बनने की ओर है। देश की सबसे लंबी भूमिगत जल परिवहन सुरंगों में शामिल स्लीमनाबाद टनल परियोजना निर्माण के अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। टनल बोरिंग मशीन बाहर निकल चुकी है और अंदर बिछाई गई रेल पटरियों को हटाने का काम जारी है। अब परियोजना को विधिवत शुरू करने और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों इसके लोकार्पण की तैयारी को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं।मुख्यमंत्री पहले ही परियोजना के उद्घाटन की तैयारियां करने के निर्देश दे चुके हैं। ऐसे में टनल का निर्माण पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री के हाथों इसका लोकार्पण संभावित है। हालांकि लोकार्पण की तारीख और कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा अभी प्रतीक्षित है। अधिकारियों के अनुसार 25 से 30 नवंबर के बीच टनल में पानी छोड़ने की तैयारी की जा रही है। यह चरण पूरा होते ही परियोजना अपने सबसे महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंच जाएगी।

शिवराज से मोहन यादव तक पहुंचा परियोजना का सफर

स्लीमनाबाद टनल का सफर राजनीतिक और प्रशासनिक बदलावों के बीच आगे बढ़ता रहा। परियोजना के शुरुआती दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर इसकी प्रगति देखी थी। इसके बाद कमलनाथ के नेतृत्व वाली 15 माह की सरकार के दौरान परियोजना के काम को गति मिली। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन तकनीकी चुनौतियों के कारण निर्माण की राह आसान नहीं रही। वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी 17 जुलाई को स्लीमनाबाद पहुंचकर टनल का निरीक्षण किया था। उन्होंने इसे विंध्य और महाकौशल के विकास के लिए महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए इसके शीघ्र संचालन की दिशा में काम करने के निर्देश दिए थे। जून में हुई समीक्षा बैठक में भी मुख्यमंत्री ने इसके उद्घाटन की तैयारियां करने को कहा था।



799 करोड़ से शुरू हुई परियोजना, लागत 1610 करोड़ के पार

वर्ष 2008 में करीब 799 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना का अनुबंध हुआ था। लेकिन निर्माण के दौरान कठोर चट्टानों, भूमिगत जल के रिसाव, कमजोर भूगर्भीय संरचना और तकनीकी अड़चनों ने लागत और समय दोनों बढ़ा दिए। अब तक परियोजना पर 1610.47 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इसमें मूल निर्माण कार्य पर 772.33 करोड़, मूल्य समायोजन पर 573.71 करोड़, डी-वाटरिंग सिस्टम पर 123.99 करोड़, वर्टिकल शाफ्ट निर्माण पर 19.36 करोड़ और केमिकल ग्राउटिंग पर 121.08 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। केंद्र सरकार ने इसमें करीब 275 करोड़ रुपये का सहयोग दिया है।

अथक प्रयास होंगें सार्थक..

परियोजना को अंतिम चरण तक पहुंचाने में जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की तकनीकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यपालन यंत्री सहज श्रीवास्तव सहित एसडीओ दीपक मंडलोई, दिलीप सिंह,उपयंत्री मनुराज विभागीय अभियंता और तकनीकी कर्मचारी निर्माण की प्रगति, मशीनों को बाहर निकालने, अंदरूनी व्यवस्थाओं और पानी की निकासी से जुड़े कार्यों में जुटे हैं।

करीब 12 किलोमीटर लंबी सुरंग के निर्माण में सामने आई चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक जर्मन टनल बोरिंग मशीन, हाई कैपेसिटी डी-वाटरिंग सिस्टम और केमिकल ग्राउटिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया।

छह जिलों के 1450 गांवों को मिलेगा लाभ

करीब 11.952 किलोमीटर लंबी और 10.14 मीटर व्यास वाली इस सुरंग से नर्मदा का पानी बिना किसी पंप के गुरुत्वाकर्षण के सहारे विंध्य क्षेत्र तक पहुंचेगा। परियोजना से जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा और पन्ना जिले के लगभग 1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलने का लक्ष्य है। टनल के साथ 12.135 किलोमीटर लंबी ओपन कट नहर का निर्माण भी पूरा बताया गया है।स्लीमनाबाद टनल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके नीचे से नर्मदा का पानी गुजरेगा और ऊपर कटनी नदी का प्राकृतिक प्रवाह जारी रहेगा। वर्षों तक निर्माण की चुनौतियों और बढ़ती लागत के कारण चर्चा में रही यह परियोजना अब लोकार्पण की दहलीज पर है। अब क्षेत्र के किसानों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि टनल में पानी छोड़ने के बाद नहरों के जरिए उनके खेतों तक सिंचाई का पानी कब पहुंचेगा। मुख्यमंत्री के हाथों प्रस्तावित लोकार्पण के साथ यह परियोजना कटनी ही नहीं, बल्कि पूरे विंध्य और महाकौशल के कृषि विकास की नई शुरुआत बन सकती है।

इनका कहना है।

टनल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। फिलहाल रेल पटरियों के अलावा अन्य मशीनरी और उपकरण बाहर निकालने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीच-बीच में आई तकनीकी और अन्य बाधाओं के कारण काम प्रभावित हुआ, अन्यथा छह माह पहले ही निर्माण पूरा हो जाता। बाधाओं को दूर कर अब निर्माण पूरा कर लिया गया है। 25 से 30 नवंबर तक शेष प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी। हालांकि टनल के उद्घाटन की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

सहज श्रीवास्तव
कार्यपालनयंत्री

दीपावली की खुशियों पर महंगाई की मार, बिगड़ने लगा त्योहार का बजट

मिठाई से मेवा तक बढ़े दाम

ड्राईफ्रूट के दामों में 25 से 30 प्रतिशत तक उछाल, उपहारों की खरीदारी भी होगी जेब पर भारी





कटनी, यशभारत। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। दुकानों पर सजावट, मिठाइयों और उपहारों की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, लेकिन इस बार त्योहार की मिठास पर महंगाई का असर दिखाई देने लगा है। घरों में बनने वाले पारंपरिक पकवानों से लेकर बाजार की मिठाइयों और रिश्तेदारों को दिए जाने वाले ड्राईफ्रूट के उपहार तक, हर चीज का खर्च बढ़ रहा है। ऐसे में आम परिवारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सीमित बजट में त्योहार की खुशियां समेटने की है।दीपावली पर घरों में मेहमानों का आना-जाना, मिठाई बांटना, रिश्तेदारों और परिचितों को उपहार देना परंपरा का हिस्सा है। लेकिन इस बार काजू, बादाम, पिस्ता, किशमिश जैसे सूखे मेवों के बढ़ते दामों ने गिफ्ट पैक का बजट बढ़ा दिया है। वहीं आटा, बेसन, दाल, चावल और घी जैसी रोजमर्रा की खाद्य सामग्री महंगी होने से घर में मिठाई और पकवान तैयार करना भी पहले की तुलना में महंगा पड़ रहा है।

ड्राईफ्रूट के दामों ने बढ़ाई चिंता

त्योहारी खरीदारी में सबसे ज्यादा असर सूखे मेवों की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। बाजार में काजू के दाम 1000 से बढ़कर 1200 रुपये किलो तक पहुंचने की बात सामने आ रही है। बादाम की कीमतें 1000 से बढ़कर 1200 रुपये किलो के आसपास हो गई हैं। पिस्ता 2400 से बढ़कर 2500 रुपये किलो तक बिक रहा है, जबकि किशमिश के दाम भी 460 से बढ़कर 500 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं।ड्राईफ्रूट के बढ़ते दामों का असर मिठाई कारोबार पर भी पड़ रहा है। काजू कतली, काजू रोल, बादाम की मिठाइयां और मेवा युक्त अन्य पकवान तैयार करने में लागत बढ़ गई है। यही वजह है कि आने वाले दिनों में मिठाइयों की कीमतों पर भी दबाव बढ़ सकता है।

त्योहार के दौरान मेहमानों के स्वागत के लिए मिठाई, नमकीन, फल और अन्य खाद्य सामग्री की व्यवस्था करनी पड़ती है। ऐसे में परिवारों को खरीदारी से पहले खर्च का हिसाब लगाना पड़ रहा है।

घर में मिठाई बनाना भी नहीं रहा सस्ता

पहले त्योहारों पर कई परिवार बाजार से मिठाई खरीदने के बजाय घर में ही लड्डू, नमकीन, मठरी, गुझिया और अन्य पकवान तैयार करना पसंद करते थे। लेकिन अब घरेलू मिठाई बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के दाम भी बजट बिगाड़ रहे हैं। बेसन, आटा, घी, तेल, मेवा और चीनी की खरीदारी का कुल खर्च बढ़ने से घर में मिठाई तैयार करना भी सस्ता विकल्प नहीं रह गया है।

नगर निगम के कम्युनिटी हॉल में कैसे बना दिया अस्थाई स्टोर?

चोरी के बाद खुली सुरक्षा व्यवस्था की पोल, पुराने स्टॉक का रिकॉर्ड भी सवालों के घेरे में



कटनी, यशभारत। नगर निगम के स्टोर में हुई चोरी की घटना ने अब निगम की भंडारण व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम और पुराने खरीदी-बिक्री के रिकॉर्ड पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कोतवाली थाना परिसर के ठीक पीछे स्थित नगर निगम के कम्युनिटी हॉल की खिड़की तोड़कर अज्ञात चोर नए कंप्यूटर, पीसीओ और इलेक्ट्रिकल सामान ले गए। लेकिन इस वारदात से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि आखिर लाखों रुपये के सामान को सुरक्षित भंडार के बजाय कम्युनिटी हॉल में क्यों रखा गया था? घटना का समय भी कई सवाल खड़े कर रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही निगम आयुक्त तपस्या परिहार ने पूर्व भंडार प्रभारी से जुड़े एक मामले में जांच के निर्देश दिए थे। इसके लगभग एक सप्ताह के भीतर ही स्टोर में चोरी की घटना सामने आ गई। ऐसे में जांच और चोरी की टाइमिंग को लेकर संदेह व्यक्त किए जा रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि कहीं चोरी की आड़ में पुराने स्टॉक की कमी और पूर्व की अनियमितताओं को छिपाने की कोशिश तो नहीं हो रही? हालांकि, इस संबंध में अभी कोई ठोस तथ्य सामने नहीं आया है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

कम्युनिटी हॉल बना अस्थाई भंडार गृह, स्थाई स्टोर होते हुए भी महंगे सामान असुरक्षित

चोरी वाले स्थान को लेकर भी नगर निगम की कार्यप्रणाली कठघरे में है। जिस कम्युनिटी हॉल में सामान रखा गया था, वह निगम का मुख्य भंडार नहीं है। मुख्य स्टोर अलग होने के बावजूद कम्युनिटी हॉल को अस्थाई भंडार गृह के रूप में इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है।सवाल उठता है कि इसकी अनुमति किस अधिकारी ने दी? महंगे कंप्यूटर और इलेक्ट्रिकल सामान को सुरक्षित एवं स्थाई भंडार में रखने के बजाय अस्थाई स्थान पर क्यों रखा गया? वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए? यह स्थिति सीधे तौर पर निगम की भंडारण और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करती है।

स्टॉक मिलान के बाद खुलेगी असली तस्वीर

फिलहाल नगर निगम द्वारा स्टोर में उपलब्ध अन्य सामान का मिलान कराया जा रहा है। इसके बाद ही चोरी गए सामान की वास्तविक संख्या और कुल कीमत का आधिकारिक खुलासा हो सकेगा।अब जरूरत केवल चोरी की एफआईआर दर्ज कराने तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि पूरे भंडार का भौतिक सत्यापन कराने, पिछले तीन वर्षों की खरीदी और वितरण का ऑडिट करने तथा कम्युनिटी हॉल को स्टोर बनाने की अनुमति देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर निगम के पास सामान रखने के लिए स्थाई भंडार मौजूद था, फिर महंगे सामान को असुरक्षित कम्युनिटी हॉल में रखने की नौबत क्यों आई? चोरी किसने की, यह जांच का विषय है, लेकिन सुरक्षा और भंडारण में हुई लापरवाही की जिम्मेदारी कौन लेगा?

मिठाई-नमकीन की दुकानों पर जांच की रस्म अदायगी

कटनी,यशभारत। त्योहारों पर मिलावटखोरी रोकने की जिम्मेदारी खाद्य सुरक्षा विभाग की है, लेकिन विभाग की सक्रियता भी अब सवालों के घेरे में है। दीपावली नजदीक आते ही खाद्य प्रतिष्ठानों पर जांच और नमूना संग्रहण शुरू हो गया है। अधिकारी दुकानों तक पहुंच रहे हैं, नमूने ले रहे हैं और उन्हें प्रयोगशाला भेजने की जानकारी देकर अपनी कार्रवाई का ब्योरा जारी कर रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ नमूने लेने तक है या मिलावटखोरों पर कार्रवाई करना भी उसकी जवाबदेही है?बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने माधवनगर गेट स्थित गोलू रेस्टोरेंट से खोया पेड़ा और पतीसा, स्टेशन रोड स्थित कोजी स्वीट मार्ट से मजूम मिठाई और नमकीन तथा सिल्वर टॉकीज रोड स्थित बाहुबली स्वीट्स से खोया पेड़ा के नमूने लिए। शानू स्वीट्स से नारियल बर्फी और रसगुल्ला के नमूने भी संग्रहित किए गए।

हर त्योहार पर इसी तरह जांच अभियान चलने की खबरें सामने आती हैं, लेकिन उपभोक्ताओं को यह जानने का अधिकार है कि पिछले अभियानों में कितने नमूने अमानक मिले, कितने प्रतिष्ठानों पर प्रकरण दर्ज हुए और कितने मामलों में दंडात्मक कार्रवाई हुई? कितने मामलों में दोषियों से जुर्माना वसूला गया?

















नदी में डूबने से एक ही परिवार के बुझे दो चिराग

ट्यूब के सहारे नदी में तैरते वक्त हादसा, इलाके में पसरा मातम

कटनी/रैपुरा, यशभारत। रैपुरा में पटने नदी में डूबने से दो बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने एक ही परिवार की खुशियां छीन लीं और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कल दोपहर लगभग एक बजे कटनी रोड स्थित पटने नदी के पुल के पास अर्जुन बर्मन पिता मुकेश बर्मन उम्र 14 वर्ष तथा काजल बर्मन पिता संतू बर्मन उम्र 18 वर्ष नदी में ट्यूब के सहारे तैर रहे थे। इसी दौरान अचानक ट्यूब का संतुलन बिगड़ गया और दोनों बच्चे गहरे पानी में चले गए। देखते ही देखते दोनों पानी में डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों और परिजनों ने बचाव का प्रयास किया तथा दोनों बच्चों को बाहर निकालकर तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रैपुरा पहुंचाया गया। जहां मेडिकल ऑफिर डॉ एम एल चौधरी ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल है। एक ही परिवार के दो बच्चों की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

सड़क हादसे और करंट लगने से दो मौतें

कटनी, यशभारत। बाकल थाना क्षेत्र अंतर्गत सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार सेन्ट्रल बैंक के पास शेख रफी 36 वर्ष निवासी बस स्टैंड थाना बाकल की मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 21 जेडई 0618 की ठोकर लग जाने के कारण इलाज दौरान मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराते हुए मर्ग प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। इसी तरह बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत पप्पू काछी का खेत ग्राम बम्हौरी में करंट लगने से अधेड़ की मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार मुलई पिता सुखलाली यादव 50 वर्ष निवासी बम्हौरी थाना बरही की करंट लगने से मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराते हुए मर्ग प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

दुकानों में मिले एक्सपायरी डेट के 18 किलो पटाखे

भरौली और धपई पटाखा बाजार में पुलिस एवं प्रशासन की दबिश







कटनी, यशभारत। दीपावली को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने भरौली एवं धपई स्थित पटाखा बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विकास ट्रेडर्स एवं सुशील ट्रेडर्स की दुकानों पर एक्सपायरी डेट की आतिशबाजी सामग्री पाई गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दोनों दुकानों से लगभग 18 किलोग्राम पटाखे जब्त किए गए। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य 50 हजार रुपये बताया गया है। कलेक्टर आशीष तिवारी एवं एसपी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, एएसपी डॉ. कमल मौर्य के मार्गदर्शन और सीएसपी अनिमेश द्विवेदी के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने पटाखा बाजार की दुकानों में स्थायी एवं अस्थायी आतिशबाजी विक्रय के लाइसेंस, उनकी वैधता, नवीनीकरण तथा निर्धारित शर्तों के पालन की जांच की। इसके साथ ही दुकानों के बीच निर्धारित दूरी, सार्वजनिक एवं रहवासी क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी और अग्निशमन व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। दुकानदारों को पर्याप्त अग्निशमन यंत्र, पानी, रेत, मिट्टी सहित अन्य जरूरी सुरक्षा संसाधन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। दुकानों के आसपास निर्धारित सुरक्षा परिधि में पटाखों के प्रदर्शन एवं परीक्षण पर रोक का पालन करने और दुकानों से सुरक्षित दूरी पर वाहनों की पार्किंग सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

पटाखे जब्त कर सुरक्षा मानकों की जांच

कार्बाइड गन एवं खतरनाक उपकरणों पर प्रतिबंध

जिला प्रशासन द्वारा दीपावली के दौरान लोक शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार प्रतिबंधित पटाखों, आतिशबाजी, कैल्शियम कार्बाइड गन तथा गैस से धमाका करने वाले अन्य खतरनाक उपकरणों के निर्माण, भंडारण, क्रय-विक्रय एवं वितरण पर प्रतिबंध लगाया गया है।



विजयराघवगढ़ पुलिस ने किया पटाखा दुकानों का आकस्मिक

विजयराघवगढ़ पुलिस ने पटाखा दुकानों एवं गोदामों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान संचालकों को शासन की गाइडलाइन का पालन करते हुए सुरक्षा के समुचित इंतजाम करने और सावधानीपूर्वक पटाखों का विक्रय करने के निर्देश दिए गए। विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक चौबे तथा तहसीलदार विजयराघवगढ़ मनीष शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया। त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से थाना क्षेत्र में संचालित अस्थाई पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान दुकान संचालकों को शासन द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन करने, विस्फोटक सामग्री के विक्रय के दौरान आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा सतर्कता के साथ कार्य करने की समझाइश दी गई। साथ ही दुकानों के आसपास असामाजिक तत्वों को दूर रखने और किसी भी संभावित दुर्घटना से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए गए।

बड़वारा में गांजा तस्करी पर पुलिस का शिकंजा

आरोपी गिरफ्तार, 1 किलो 178 ग्राम गांजा जब्त

कटनी, यशभारत। बड़वारा पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलो 178 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 18 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 3 नवंबर को बड़वारा पुलिस की टीम देहात भ्रमण पर थी। इसी दौरान ग्राम मझगवां बसाड़ी रोड स्थित वेयरहाउस के पास एक व्यक्ति प्लास्टिक की पन्नी लेकर सड़क किनारे खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उसके घबराने और संदिग्ध गतिविधियां नजर आने पर टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान इन्द्रभान सिंह राठौर निवासी ग्राम सिजहनी के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से प्लास्टिक की पन्नी में रखा 1 किलो 178 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। गिरफ्तार आरोपी से गांजे के स्रोत के संबंध में पूछताछ की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुयश पाण्डेय, सहायक उपनिरीक्षक रामनाथ साकेत, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्र कुमार चढ़ार और आरक्षक रवि कुमार कोरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

In The Court Of III Civil Judge Class II, District Court, Katni Presiding Officer: सुश्री सिल्की कौर जुनेजा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCSA/0000303/2026)

विद्या उर्फ मुन्नी विश्वकर्मा.....वादी

Vs

स्टेट सरकार.....प्रतिवादी

प्रो.आई.डी. 2026 पेशी दिनांक 07.12.2026

प्रेषिती (1) आम जनता पता जिला कटनी मध्यप्रदेश जिला कटनी

यह कि प्रार्थी विद्या उर्फ मुन्नी विश्वकर्मा ने आपके विरुद्ध व्यवहार बाद के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 24.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है। कृपया ध्यान दें-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश
(सिल्की कौर जुनेजा)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खंड कटनी (म.प्र.)



डॉ. अदिति चौदहा
बी.डी.एस. मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ
पूर्व रेसीडेन्ट डेंटल सर्जन
अपोलो हॉस्पिटल बैंगलूरू
Smile Zone Dental Clinic
आधुनिक उपकरणों एवं नई तकनीक से दंत चिकित्सा
क्लीनिक : मां दुर्गा हॉस्पिटल के पास, आदर्श कॉलोनी रोड, कटनी (म.प्र.)

SEATEX SPINO
Aaram ka Naya Naam. Hamesha Ke Liye.
BEST QUALITY
COMFORTABLE FOR SPINE
100% VIRGIN
LONG LIFE
STRONG LEGS
2 YEAR WARRANTY
Bring Home Comfort. Seatex Spino, The Perfect Chair for Home and Office.
अधिकृत वितरक -विश्वकर्मा फर्नीचर
मधई मंदिर रोड, विश्वकर्मा पार्क कटनी
मो.-9826082251 फोन नं. 07622-230557

समर्थ मार्बल एण्ड ग्रेनाइट
SAMARTH MARBLE AND GRANITE
टाइल्स, मार्बल, ग्रेनाइट
SMG
Size. Thickness. Finish. Quality
Quality Marble & Granite at Best Price
एल.आई.सी ऑफिस के सामने बरगवां, कटनी
Mob. 9425153498
JOHNSON DESIGNERS' CHOICE
Kajaria
METRO TILES

सूचना

मैं Deenadayalan पिता NATARAJAN निवासी सायना कैम्पस महाराणा प्रताप वार्ड कटनी का निवासी हूं, मेरे ड्राइविंग लाइसेंस MP21 20230001815 मे मेरे पिता के नाम की स्पेलिंग Nadarajan त्रुटिपूर्ण गलत दर्ज है, जबकि मेरे आधार कार्ड में NATARAJAN जो की सही है, अतः मेरे ड्राइविंग लाइसेंस मे पिता के नाम की सही स्पेलिंग NATARAJAN सुधारकर लिखा एवं पढ़ा जावे।

यशभारत हेल्पलाइन

9425362893,
9425160957
कार्यालय : द्वारका सिटी, कटनी

आम सूचना

आम जनता (सर्व साधारण) बैंक एवं समस्त वित्तीय संस्थानों को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ममता चक्रवर्ती पति सुखलाल चक्रवर्ती, निवासी राम निवास सिंह वार्ड, कटनी, वालों से विक्रेता ठा. वीरेन्द्र सिंह निवासी पाठक वार्ड कटनी वालों से उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम मुड़वारा, नं.बं. 493, प.ह.नं. 45/2, तहसील व जिला कटनी में खसरा नं 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254 का अंश रकवा 384 वर्गफुट जिसकी नाप उत्तर दक्षिण 12 फुट, पूर्व पश्चिम 32 फुट, कुल 384 वर्गफुट जो कि बैनामा अनुसार उत्तर में कुलिया, दक्षिण में खाली जमीन व विक्रेता का एक कुआं, पूर्व में कुलिया एवं पश्चिम में विक्रेता जमीन जिस पर जुग्गा का मकान बना है, को रजि. विक्रय पत्र दिनांक 02.09.1992 के माध्यम से क्रय की गई है। जिसका नामांतरण प्रकरण न्यायालय श्रीमान तहसीलदार महोदय, कटनी नगर, जिला कटनी के समक्ष लंबित है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था इत्यादि को इस नामांतरण कार्यवाही में कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन दिनांक से एक सप्ताह के अंदर न्यायालय के समक्ष दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है, नामांतरण कार्यवाही होने के उपरांत अन्य कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपरोक्तानुसार सूचित हो ।

कटनी दिनांक 02.11.2026

भवदीय
विजेन्द्र दुबे (एडवोकेट)
जिला न्यायालय झिंझरी, कटनी
मो. 9893924744

कार्यालय कलेक्टर (खनिज–शाखा) जिला–कटनी (मध्य–प्रदेश)
E-mail ID :- modgmkat@mp.gov.in

क्रमांक /1937/ खनिज / 2026 कटनी, दिनांक 13/4/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18 (1–क) के अन्तर्गत नवककरण उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स के.एस.के. स्टोन क्रेशर प्राय. लिमि. संचालक श्रीमती कल्पना सरावगी (नाम एवं पता) द्वारा उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आंनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 04.02.2026 को प्रस्तुत किया गया है। सूचना प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस तक, इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन आंनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा क्रमांक	रकवा	भूमि का प्रकार शासकीय / निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
कटनी	बरही	मोहनी	638	3.100	शासकीय भूमि	पत्थर, गिट्टी (क्रेशर द्वारा गिट्टी निर्माण)	—

01 उपरोक्त प्रस्तुत आंनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन दिवस, समय सायं 6 बजे तक) आंनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

02 यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।

03 यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि के लिए आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि मे प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

04 यह प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।

05 निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

उपसंचालक
(खनिज–प्रशासन)
जिला–कटनी (म.प्र.)

जी–21061/26

धर्मलोक हॉस्पिटल
पता- आदर्श कॉलोनी रोड, जयप्रकाश वार्ड, नई बस्ती, कटनी
फोन- 07622- 422390, 796084, मो. नं.- 8305402024
अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं
जनरल सर्जरी विभाग, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, अस्थि रोग विभाग, मेडिसन विभाग, नवजात एवं शिशु विभाग, दंत विभाग, एक्टसीडेंट एवं ट्रामा यूनिट
आयुष्मान कार्ड से भी इलाज की सुविधा


24 घंटे-सीटी स्केन सुविधा, एम्बुलेंस सुविधा, मेडिकल स्टोर्स, इमरजेंसी एवं भर्ती की सुविधा

JOIN US : नीरज सिनेप्लेक्स


RATE LIST
लोवर 100/-
बालकनी 150/-
बॉक्स 200/-
रोजाना 3 शो ता.05 नवम्बर से
12:00PM, 03:30PM,07:00PM

AT DLG CINEMAS
FROM 5 NOVEMBER


12:00 AM, 1:30, 4 PM
5:30, 8:00, 9:30 PM
FOR BOOKING CONTACT :
DLG CITY CENTRE
माधवनगर गेट के पास, कटनी (म.प्र.) फोन 07622-473999
BOOKING OPEN NOW KINDLY VISIT bookmyshow

JOIN US : सिटी प्राईड सिनेमा में


05 नवम्बर से रोजाना 4 शो
3D 3D 2D 3D
AUDI-1 - 09:00AM | 01:00PM | 05:00PM | 09:00PM
05 नवम्बर से रोजाना 4 शो
2D 2D 2D 2D
AUDI-2 - 10:00AM | 02:00PM | 06:00PM | 10:00PM

संपादकीय

आरोपों की राजनीति बनाम जमीनी हकीकत

वोट चोरी के आरोपों से कितना बदल पाएगा देश का सियासी मिजाज?

भारतीय राजनीति इन दिनों आरोप-प्रत्यारोप के एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां लोकतंत्र, चुनावी पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में आ गई है। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष के 21 राजनीतिक दलों की भागीदारी वाली वोट चोरी रैली के बाद सियासी माहौल और गरमा गया है। विपक्ष इसे लोकतंत्र बचाने की लड़ाई बता रहा है, तो सत्तापक्ष इन आरोपों को राजनीतिक हताशा और जनता के जनादेश को नकारने की कोशिश के रूप में देख रहा है। रैली की सफलता और उसमें जुटी भीड़ को लेकर भले ही दोनों पक्ष अपने-अपने दावे कर रहे हों, लेकिन इस पूरे घटना म ने एक बड़ा सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या चुनावी प्र िया वास्तव में संदेह के घेरे में है या फिर लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक लड़ाई का हथियार बनाया जा रहा है?कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेता, विशेषकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का दावा है कि मतदाता सूचियों से करोड़ों नाम हटाए गए और इसका चुनावी परिणामों पर असर पड़ा। उसका तर्क है कि जब जीत और हार का अंतर कई सीटों पर बेहद कम था, तब मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हुई कथित कटौती को सामान्य प्रशासनिक प्र िया मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन इस पूरे आरोप की पड़ताल करते समय कुछ बुनियादी सवालों का जवाब भी जरूरी है। यदि विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को व्यापक स्तर पर अवैध और धांधलीपूर्ण मानता है, तो क्या उस चुनाव से निर्वाचित केवल भाजपा के सांसदों का जनादेश ही संदिग्ध होगा? क्या विपक्ष के 99 सांसदों और स्वयं नेता प्रतिपक्ष का निर्वाचन भी उसी कसौटी पर नहीं आएगा? आखिर जिस चुनावी प्र िया पर सवाल उठाए जा रहे हैं, उसी प्र िया से विपक्ष को भी संसद में प्रतिनिधित्व मिला है। ऐसे में आरोपों की गंभीरता के साथ उनके तार्किक आधार को भी स्पष्ट करना आवश्यक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव में भाजपा को लगभग 38 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस का मत प्रतिशत करीब 21 प्रतिशत रहा। हालांकि, मत प्रतिशत अपने आप में चुनावी प्र िया की निष्पक्षता का प्रमाण नहीं हो सकता, लेकिन जनादेश का आकलन करते समय इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चुनावी अनियमितताओं के आरोपों की जांच तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए, न कि केवल राजनीतिक दावों के आधार पर। दूसरी ओर, मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चल रही एसआईआर जैसी प्र िया को भी केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची में मृत व्यक्ति यों के नाम, दोहरे पंजीकरण और स्थान परिवर्तन के कारण मौजूद त्रुटियों को दूर करना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है। लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम बिना उचित प्र िया और सूचना के सूची से बाहर न हो। सुधार की प्र िया और मताधिकार की सुरक्षा, दोनों एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए। यहां चुनाव आयोग की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इसलिए विपक्ष के सवालों को केवल राजनीतिक बयानबाजी कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसका पारदर्शी तरीके से जवाब सामने आना चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार विपक्ष को है और उन सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना संस्थाओं की जिम्मेदारी है। हालांकि, इस पूरे विवाद का एक दूसरा पहलू भी है। क्या वोट चोरी का मुद्दा आम नागरिक की रोजमर्रा की चिंता बन पाया है? महंगाई, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और स्थानीय अव्यवस्थाओं से जूझ रहे आम आदमी के लिए चुनावी प्र िया का सवाल निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन क्या यह उसकी प्राथमिक चिंताओं में शामिल हो पाया है? विपक्ष की लगातार कोशिशों के बावजूद इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी जनभावना कितनी मजबूत हुई है, इसका आकलन केवल रैलियों और राजनीतिक भाषणों से नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय राजनीति में अब आरोपों की विश्वसनीयता का फैसला केवल मंचों से नहीं, बल्कि जनता के बीच उनके प्रभाव से भी होगा। विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण और तथ्य प्रस्तुत करने होंगे, वहीं सत्तापक्ष और चुनाव आयोग को भी पारदर्शिता के साथ संदेह दूर करने होंगे। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने या हारने का नाम नहीं है। उसकी असली ताकत निष्पक्ष चुनाव, मजबूत संस्थाओं और जनता के अटूट विश्वास में निहित है। इसलिए सवाल यह नहीं कि वोट चोरी का आरोप कौन लगा रहा है और उसका राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा, बल्कि असली सवाल यह है कि क्या देश की चुनावी व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का विश्वसनीय समाधान सामने आ रहा है? आखिर लोकतंत्र में आरोपों से राजनीति तो गर्म हो सकती है, लेकिन जनता का भरोसा केवल तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही से ही कायम रह सकता है।

कड़वे वचन



जीवन का यहनियम याद रखो। जो आप देने वाले हैं वह आपके पास लौटके आने वाला है। कई गुना बढ़कर आने वाला है। हर किसान यह नियम जानता है, मानता है और इस पर काम करता है। वह खेत में अच्छे व बेहतरीन बीज डालता है और फसल आने का इंतजार करता है। किसान यह जानता है मगर अफसोस है कि इंसान यह नहीं जानता। दिया कभी बेकार नहीं जाता । याद रखो दे जाना ही ल जाने का मार्ग है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-5 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
दिन सामान्य रहने वाला है किसी की मदद करने से खुशी मिलेगी

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
किसी विशेष कार्य को करने में दिन व्यतीत होगा लोगों की प्रशंसा मिल सकती है

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी दिन खुशनुमा रहने वाला है

कर्क ही, हू, हे, है, हो, डा, डी, डू, डे, डो
मानसिक उलझनें कम हो सकती हैं खर्चों की अधिकता बनी रहेगी

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
दिन अनुकूल रहने वाला है माता-पिता का आशीर्वाद लेकर कार्य करें

कन्या ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकते हैं

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
दिन उत्तम रहने वाला है सामाजिक कार्यों में गतिविधियां बढ़ेगी

वृश्चिक यो, रो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
स्वास्थ्य में पहले से अब सुधार होगा योग प्राणायाम अवश्य करें

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
घर में शुभ मांगलिक कार्य हो सकते हैं मन प्रफुल्लित रहेगा

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
साझेदारी के काम को सोच समझ कर आगे बढ़ाएं क्रोध में नियंत्रण रखें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
खर्चों की अधिकता की वजह से आर्थिक स्थिति प्रभावित रहेगी

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
वाणी में नियंत्रण रखकर कार्य करें दिन सामान्य रहने वाला है

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था।

(लेखक - विनोद सिंह 'तकियावाला')

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है। यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है।

जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि गृहस्थ अपने भोजन में से साधु-संतों और सुपात्रों के लिए भी हिस्सा निकाले। जैन परंपरा में मुनियों को विधिपूर्वक आहारदान देना पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि सुपात्रदान से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान महावीर की शिक्षाओं में त्याग, संयम, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति करुणा का जो संदेश मिलता है, उसमें दान की भावना भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अन्य धर्मों में भी भोजन बांटने की परंपरा रही है। ऋग्वेद में अकेले भोजन करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं माना गया है। गीता में भी दूसरों को भोजन कराए बिना केवल अपने लिए भोजन करने वालों के प्रति चेतावनी दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भोजन बांटना किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा आदर्श है।

आज के समय में जब समाज में आर्थिक असमानता और जरूरतमंदों की समस्याएं दिखाई देती हैं, तब दान की महत्ता और बढ़ जाती है। प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी भूखे को भोजन करा सकता है, किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की सहायता कर सकता है अथवा किसी असहाय व्यक्ति के लिए उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है। दान के लिए धनवान होना आवश्यक नहीं, उदार हृदय होना आवश्यक है।

अंततः जीवन में धन का वास्तविक महत्व उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। जो भोजन हम अकेले खा सकते हैं, उसमें से किसी भूखे का हिस्सा निकालना ही सच्ची मानवता है। दान मनुष्य को विनम्र बनाता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और आत्मा को संतोष प्रदान करता है। इसलिए अपनी आय, सामर्थ्य और परिस्थिति के अनुसार दान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विशेषकर आहारदान के माध्यम से किसी की भूख मिटाना सबसे सहज और पुण्यकारी सेवा है। दान से हाथ खाली नहीं होते, बल्कि हृदय समृद्ध होता है। यही दान की महिमा है और यही मानव जीवन का सच्चा कल्याण मार्ग है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

युवाओं में जीवन से पलायन की खतरनाक प्रवृत्ति

युवाओं में आत्महत्या (सुसाइड) और जीवन से पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक अत्यंत गंभीर और चिंताजनक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा बन चुकी है। आधुनिक जीवनशैली, अत्यधिक दबाव और सामाजिक बदलावों ने युवाओं को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा कर दिया है जहाँ वे कई बार दिशाहीन और असहाय महसूस करने लगते हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वैश्विक डेटा के अनुसार, पूरी दुनिया में हर साल लगभग 7,20,000 से अधिक लोग आत्महत्या से अपनी जान गंवाते हैं।

दुनिया में हर 40 सेकंड में लगभग एक व्यक्ति आत्महत्या के कारण मर जाता है।

15 से 29 वर्ष के युवाओं के बीच दुनिया भर में मौत का यह चौथा सबसे बड़ा कारण बन चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि हर एक सफल आत्महत्या के पीछे कम से कम 20 या उससे अधिक बार आत्महत्या के प्रयास किए जाते हैं।

दुनिया भर में होने वाली कुल आत्महत्याओं का लगभग 73त्न से 77त्न हिस्सा निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होता है, जिसमें भारत भी शामिल है।

भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.70 लाख से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं।

वर्ष 2024 में भारत में कुल 1,70,746 लोगों ने आत्महत्या की, जबकि 2023 में यह संख्या 1,71,418 थी।

भारत में प्रति 1,00,000 आबादी पर आत्महत्या की दर 12.2 है।

कुल मामलों में पुरुषों की संख्या लगभग 73.5त्न है, जिसमें दिहाड़ी मजदूर और छात्र सबसे संवेदनशील समूहों में शामिल हैं।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में देश की कुल आत्महत्याओं के करीब एक-तिहाई मामले दर्ज होते हैं।

अब आपको अक्टूबर माह के अंतिम दिन अख़बार की सुरखी बने सुसाइड मामलों की बानगी से अवगत कराते हैं ताकि आप आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को समझें

पुणे से एक खौफनाक धटना सामने आई 30 अक्टूबर को एक महिला ने अपने 6 साल के बेटे के साथ 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी. यह घटना एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी में फुटेज में महिला अपने बेटे के साथ 18वीं मंजिल पर जाती दिखाई दे रही है पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है.मामला पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ शहर के थेरगांव वाकड इलाके में सिग्नेचर पार्क नाम की एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी का है, यहां 33 साल की एकता भांगड ने अपने 6 साल के बेटे माधव भांगड के साथ इमारत की 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, एकता भांगड अपने पति मनोज भांगड और बेटे माधव के साथ पिछले कुछ सालों से इस सोसायटी में रह रही थी जानकारी मिलते ही वाकड पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर आगे की जांच शुरू की. मृतक महिला का परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है. वे पिछले दो सालों से इस सोसायटी की सातवीं मंजिल पर रह रहे थे. मृतक महिला का पति मनोज भांगड यरवदा स्थित एक आईटी कंपनी में काम करता है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है. यहां दो सगी बहनों ने अलग-अलग जगहों पर अपने बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी. पहली घटना में पति की मौत के सदमे से गुजर रही 8 महीने की गर्भवती महिला ने अपने बेटे के साथ जान दी, जबकि कुछ घंटे बाद उसकी बड़ी बहन ने भी अपने तीन बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी. इन घटनाओं में दो बहनों और चार मासूम बच्चों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि गर्भ में पल रहे शिशु की भी जान चली गई। इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर से इस वक्त एक हादसे में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से एक छात्रा कूद गई है. छात्रा के कूदने से यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया है. प्रशासन ने इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है. इस हादसे के बाद यूनिवर्सिटी को फिलहाल बंद कर दिया है. पूर्णिमा यूनिवर्सिटी से छात्रा से कूदने का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. इस वीडियो में छात्रा छत की छठी मंजिल पर बिल्कुल किनारे बैठी नजर आ रही है.पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से कूदने वाली छात्रा की पहचान यशस्वी रोहिला के रूप में हुई है. एमबीए सेकंड ईयर की स्टूडेंट है. बताया जाता है कि यशस्वी जयपुर के गुर्जर की थ्री इलाके के प्रेम नगर की रहने वाली है. शिवदासपुरा थाना की पुलिस मौके पर जांच में जुटी है.

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम पर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े बदलावों की तत्काल आवश्यकता है।

भारत सरकार देश में आत्महत्या की बढ़ती वारदातों को रोकने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए बहु-स्तरीय प्रयास कर रही है। सरकार ने इसके लिए कानूनी बदलाव, डिजिटल तकनीक और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया है।

सरकार द्वारा कुछ खास कदम उठाए जा रहे हैं

भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा देश की पहली राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति लागू की गई है।

इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश में आत्महत्या मृत्यु दर में 10त्न की कमी लाना है।

इसके तहत अगले कुछ वर्षों में सभी शिक्षण संस्थानों में मानसिक कल्याण पाठ्यक्रम को शामिल करने और देश के सभी जिलों में मनोरोग ओपीडी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

दूरदराज के क्षेत्रों तक मुफ्त और गोपनीय मानसिक परामर्श पहुँचाने के लिए सरकार ने डिजिटल तकनीक का बड़े पैमाने पर विस्तार किया हैदेश भर के 1.83 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों) में बुनियादी मानसिक स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग सेवाओं को एकीकृत किया गया है।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैले अंधविश्वास, शर्म (स्ह्लद्वद्वद्बड्ड) और रूढ़िवादिता को खत्म करने के लिए सरकार ने सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किए हैं, ताकि लोग समय रहते मदद मांगने के लिए आगे आ सकें।इन व्यापक सरकारी रणनीतियों में केवल स्वास्थ्य मंत्रालय ही नहीं, बल्कि शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास और सूचना एवं प्रसारण जैसे मंत्रालयों को भी एक साथ जोड़ा गया है ताकि युवाओं, किसानों और हर संवेदनशील वर्ग को सुरक्षा घेरा दिया जा सके।

(लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल)

हाजिरी का हिसाब गायब, खाते से निकल गए 275 करोड़! बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी में वेतन भुगतान पर बड़ा सवाल

RTI में 1988 से 2023 तक का चौंकाने वाला खुलासा, कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड नहीं दे पाया विश्वविद्यालय

भोपाल, यश भारत।

राजधानी के बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय में वेतन भुगतान को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूचना का अधिकार (ऋ्रढ्ढ) के तहत सामने आई जानकारी के मुताबिक, वर्ष 1988 से 2023 के बीच विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को करीब 275 करोड़ रुपये वेतन के रूप में भुगतान किए गए, लेकिन विश्वविद्यालय इस अवधि का हाजिरी रजिस्टर और उपस्थिति से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा सका। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति का रिकॉर्ड ही उपलब्ध नहीं है, तो उनके वेतन भुगतान का सत्यापन किस आधार पर किया गया?

यह मामला विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र धर्मेंद्र सिंह के ऋ्रढ्ढ आवेदन के बाद सामने आया है। उन्होंने विश्वविद्यालय से कर्मचारियों की उपस्थिति और वेतन भुगतान से जुड़ी जानकारी मांगी थी। आवेदन के जवाब में हाजिरी का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने से वेतन भुगतान की पूरी प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई है। हालांकि, रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होना अपने आप में फर्जी हाजिरी या वित्तीय घोटाले का प्रमाण नहीं है, लेकिन इसने विश्वविद्यालय के दस्तावेजी प्रबंधन और वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल जरूर खड़े किए हैं।





35 साल तक हाजिरी में गड़बड़ी का मामला नहीं, फिर रिकॉर्ड कहां गया?

मिली जानकारी के अनुसार, करीब 35 वर्षों की अवधि में हाजिरी से संबंधित गड़बड़ी का कोई मामला दर्ज होने की जानकारी भी सामने नहीं आई है। वहीं विश्वविद्यालय यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कर्मचारियों की उपस्थिति किस व्यवस्था के तहत दर्ज और सत्यापित की जाती थी। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये के वेतन बिलों को किस आधार पर प्रमाणित किया जाता रहा और भुगतान की मंजूरी किस प्रक्रिया से दी गई?

शिक्षकों और विभागों की संख्या भी बढ़ी

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, विश्वविद्यालय में शुरुआती दौर में शिक्षण स्टाफ के पांच सदस्य थे। समय के साथ विभागों की संख्या बढ़कर 20 हो गई। वर्तमान व्यवस्था के तहत करीब 40 नियमित शिक्षक, 21 संविदा शिक्षक और लगभग 250 गेस्ट फैकल्टी शिक्षण कार्य से जुड़े बताए गए हैं। विश्वविद्यालय का सालाना खर्च करीब 13 करोड़ रुपये बताया गया है।

पूर्व छात्र ने उठाई जांच की मांग

RTI के जरिए जानकारी जुटाने वाले पूर्व छात्र धर्मेंद्र सिंह ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि वेतन बिल किस अधिकारी ने प्रमाणित किए भुगतान के लिए कौन-कौन से दस्तावेज इस्तेमाल किए गए और कर्मचारियों की उपस्थिति का सत्यापन किस आधार पर हुआ। उन्होंने संबंधित दस्तावेजों की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग उठाई है।

रजिस्ट्रार बोले- मेरे कार्यकाल से पहले का मामला

मामले में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार एसबी सिंह ने कहा है कि संबंधित घटनाएं उनके कार्यकाल से पहले की हैं। ऐसे में अब निगाहें विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित जांच एजेंसियों पर हैं। जांच के जरिए ही स्पष्ट हो सकेगा कि हाजिरी रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के पीछे प्रशासनिक लापरवाही थी या वेतन भुगतान की प्रक्रिया में कोई गंभीर अनियमितता हुई। फिलहाल 275 करोड़ रुपये के वेतन भुगतान और 35 वर्षों के हाजिरी रिकॉर्ड का मामला विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल बन गया है। अब जरूरत इस बात की है कि वेतन बिल, उपस्थिति प्रमाणन, ऑडिट रिपोर्ट और भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की समयबद्ध जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए।



सरोजिनी नायडू कॉलेज में तीन दिवसीय दीपोत्सव मेले का आयोजन

छात्राओं और स्व-सहायता समूह की महिलाओं को मिलेगा स्वनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन व बिक्री का मौका

भोपाल ,यश भारत। सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में 3 से 5 नवंबर तक तीन दिवसीय दीपोत्सव मेले का आयोजन किया जा रहा है। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं अर्न वाइल यू लर्न के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेले में छात्राएं अपने हाथों से तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर उनका विक्रय कर सकेंगी। मेले में महाविद्यालय की छात्राओं के लिए स्टॉल पंजीयन पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। इसके अलावा अन्य महाविद्यालयों की छात्राएं और स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भी अपने उत्पादों के स्टॉल लगा सकेंगी। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में उद्यमिता, स्वरोजगार और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देना है। मेला प्रतिदिन सुबह 11 से शाम 4 बजे तक विवेकानंद सभागार में लगेगा। स्टॉल लगाने की इच्छुक छात्राएं स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ की श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव अथवा गृह विज्ञान विभाग की डॉ. लक्ष्मी अग्निहोत्री से संपर्क कर सकती हैं।



पीसीओएस के उपचार पर योग और जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल तैयार

भोपाल,यश भारत।

एम्स भोपाल की फिजियोलॉजी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने बेंगलुरु स्थित निमहांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्र 2026 में पीसीओएस पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के प्रबंधन के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा आधारित जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल प्रस्तुत किया। आईसीएमआर के सहयोग से अप्रैल 2022 से मार्च 2025 तक एम्स भोपाल में हुए इस अध्ययन में 27 अभ्यासों का प्रोटोकॉल तैयार किया गया। इसमें सूर्य नमस्कार प्राणायाम गहरा विश्राम कुंजल क्रिया और कटि स्नान शामिल हैं। देश के विभिन्न संस्थानों के 35 विशेषज्ञों ने इस प्रोटोकॉल को औसतन 10 में से 8.6 अंक दिए। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि यह अध्ययन पीसीओएस पर भविष्य में होने वाले क्लिनिकल ट्रायल के लिए मानक और प्रमाणित आधार उपलब्ध कराएगा। शोध में डॉ. श्वेता पटेल सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी योगदान दिया।

अस्पताल की सरकारी जमीन पर रसूखदार का टप, पांच दिन बाद भी कार्रवाई नहीं!

बनखेड़ी, यशभारत।

नगर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। अस्पताल रोड स्थित साई मंदिर के पीछे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नवनिर्मित लैब के पास 31 अक्टूबर की रात कथित तौर पर एक रसूखदार नेता के संरक्षण में एक व्यक्ति द्वारा भारी-भरकम लोहे का टप रखवाए जाने का मामला सामने आया है। सुबह जानकारी लगते ही वार्डवासियों ने विरोध शुरू कर दिया। बावजूद इसके पांच दिन बीतने के बाद भी टप नहीं हटाया गया है। मामले को लेकर वार्डवासियों और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर भी शासकीय अस्पताल की जमीन पर टप रखे जाने को लेकर विरोध जताया जा रहा है। अब स्वास्थ्य विभाग ने भी अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है।



स्वास्थ्य विभाग ने तहसीलदार और नगर परिषद को लिखा पत्र, अतिक्रमण हटाने की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने एसडीएम को दिया आवेदन- नगर परिषद बनखेड़ी के वार्ड क्रमांक 04 के पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष दुर्गेश बेलवंशी ने 2 नवंबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया को लिखित आवेदन सौंपकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनखेड़ी की शासकीय भूमि पर रखे गए विशाल लोहे के टप कंटेनर को हटवाने और भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने स्थित शासकीय अस्पताल की भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा बिना सक्षम अनुमति के दुकानें एवं घुमटियां रखकर अस्थायी अतिक्रमण किया गया है। ऐसे में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए तत्काल कार्रवाई जरूरी है।

स्वास्थ्य विभाग भी मैदान में, तहसीलदार- नगर परिषद को पत्र- मामले को बढ़ता देख खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. जेएस परिहार ने 3 नवंबर को बनखेड़ी तहसीलदार एवं नगर परिषद बनखेड़ी को पत्र लिखकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि अस्पताल परिसर की शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटवाने के लिए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए।

पीसीओएस के उपचार पर योग और जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल तैयार

एम्स भोपाल की डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने निमहांस में प्रस्तुत किया शोध, 35 विशेषज्ञों ने दी 8.6 की औसत रेटिंग



भोपाल,यश भारत।

एम्स भोपाल की फिजियोलॉजी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने बेंगलुरु स्थित निमहांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यंत्र 2026 में पीसीओएस पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम के प्रबंधन के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा आधारित जल चिकित्सा का मानक प्रोटोकॉल प्रस्तुत किया। आईसीएमआर के सहयोग से अप्रैल 2022 से मार्च 2025 तक एम्स भोपाल में हुए इस अध्ययन में 27 अभ्यासों का प्रोटोकॉल तैयार किया गया। इसमें सूर्य नमस्कार प्राणायाम गहरा विश्राम कुंजल क्रिया और कटि स्नान शामिल हैं। देश के विभिन्न संस्थानों के 35 विशेषज्ञों ने इस प्रोटोकॉल को औसतन 10 में से 8.6 अंक दिए। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि यह अध्ययन पीसीओएस पर भविष्य में होने वाले क्लिनिकल ट्रायल के लिए मानक और प्रमाणित आधार उपलब्ध कराएगा। शोध में डॉ. श्वेता पटेल सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी योगदान दिया।



सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

पॉक्सो एक्ट, ऑनलाइन ग्रूमिंग और अच्छे-बुरे स्पर्श की दी जानकारी, हेल्पलाइन नंबरों से कराया अवगत

भोपाल, यश भारत।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सुरक्षित बचपन अभियान के तहत कस्तूरबा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा बाल अधिकार ऑनलाइन उत्पीड़न और पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश हिमांशु कौशल ने बच्चों को अच्छे बुरे स्पर्श की पहचान, व्यक्तिगत सुरक्षा और शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किसी अनुचित घटना की जानकारी अभिभावकों, शिक्षकों या विश्वसनीय व्यक्ति को तुरंत दें। कार्यक्रम में साइबर बुलिंग फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, सेक्सटॉर्शन और निजी फोटो के दुरुपयोग से बचाव के तरीके बताए गए।

सिवनी के छोटे गांव से लाल किले तक पहुंचा पत्रकार सलीम का सफर

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से हुए सम्मानित

नई दिल्ली , यश भारत । मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के एक छोटे से गांव गोपालगंज से शुरू हुआ संघर्ष और मेहनत का सफर आज दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले तक पहुंच गया है। गांव की गलियों में साइकिल से अखबार बेचने वाले सलीम रेहमान को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे सिवनी जिले और मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सलीम रेहमान की कहानी किसी बड़े शहर की सुविधाओं या संसाधनों से शुरू नहीं हुई। उनका ताल्लुक सिवनी जिले के छोटे से गांव गोपालगंज से है।



शुरुआती दिनों में उन्होंने साइकिल पर घूम-घूमकर अखबार बेचने का काम किया। इसी दौरान समाचारों और पत्रकारिता के प्रति उनकी रुचि बढ़ी और उन्होंने धीरे-धीरे लिखना शुरू किया। यहीं से उनके पत्रकारिता के सफर की नींव पड़ी। सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने का उनका जुनून उन्हें एक शहर से दूसरे शहर और फिर देश की सीमाओं के पार ले गया। सलीम ने अपने पत्रकारिता करियर में सिवनी से शुरुआत की और फिर नागपुर तथा मुंबई में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उनका सफर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तक पहुंचा, जहां वे वर्तमान में पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। मुंबई और दुबई में भी उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। इनमें यूएई के शाही परिवार के वरिष्ठ सलाहकार एवं ट्रस्ट इन ट्रेड के सीईओ डॉ. अर्शी अयूब जवेरी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के भतीजे और हाउस ऑफ कलाम, रामेश्वरम के सचिव एपीजेएम जैनुलाबुद्दीन प्रमुख रूप से शामिल रहे।

समारोह में पुरस्कार की संस्थापक सोनिया मेयर्स तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के परिवार से जुड़े एपीजेएम शेख सलीम की भी विशेष उपस्थिति रही। सलीम रेहमान का पारिवारिक जुड़ाव भी पत्रकारिता से रहा है। वे सिवनी के वरिष्ठ पत्रकार एम. रहमान के छोटे भाई मौलाना अलीम रेहमान के पुत्र हैं। ऐसे माहौल में उन्होंने पत्रकारिता की बारीकियों को समझा और अपने दम पर आगे बढ़ने का रास्ता चुना।

संत नगर में गूंजी हनुमान चालीसा 51 हजार पाठों का संकल्प पूर्ण

हिरदाराम नगर।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर, संतनगर में श्री हनुमान जी महाराज के अखंड धार्मिक अनुष्ठान और 51,000 संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ के महासंकल्प का एक वर्ष पूर्ण होने पर महोत्सव आयोजित किया गया। गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास जी महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहें।

रामप्रवेश दासजी ने कहा , 'भगवान की असीम कृपा से ही आज हम सब यहां एकत्रित हुए हैं। सनातन धर्म की रक्षा और समाज की एकजुटता के लिए सभी धर्मप्रेमी बंधुओं को मिलकर आगे आने की आवश्यकता है।' कार्यक्रम के दौरान गायकों द्वारा संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी के बीच महाआरती संपन्न हुई।



इस अवसर पवर नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष कैलाश मिश्रा, संस्कार स्कूल के सचिव बसंती चेलानी, कथा व्यास आचार्य राजीव लोचन शास्त्री, कथा व्यास राम मोहन तिवारी, कथा व्यास मनोज शास्त्री कथा व्यास सुश्री निधि किशोरी आचार्य लेखराज शर्मा, पंडित मिथुन शर्मा, पंडित अखिलेश शर्मा, पंडित मुदित शर्मा ,पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष मधु चंदवानी, युवा मोर्चा अध्यक्ष रामू केवट, हिंदू फैंस क्लब के अध्यक्ष ,राधे महाराज व अन्य मौजूद रहें। आभार हीरो हिंदू ने व्यक्त किया।

संस्कार विद्यालय के मोन्टेसरी बच्चों ने रामायण नाटिका से सजाया दीपोत्सव

हिरदाराम नगर.

संस्कार विद्यालय में मोन्टेसरी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए दीपावली के पर्व और उसके सांस्कृतिक महत्व को समझाने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नन्हें-मुन्नों ने अपनी प्रस्तुतियों दीं। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा रामायण पर आधारित एक सुंदर नाटिका और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के साथ हुई। छोटी उम्र के बच्चों की यह प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि संस्कार विद्यालय में विद्यार्थियों को बाल्यावस्था से ही भारतीय संस्कृति और हिंदू पर्वों के महत्व से अवगत कराया जाता है, ताकि बच्चे छोटी उम्र से ही अपनी जड़ों और संस्कृति को भली-भांति पहचान सकें। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि विद्यालय का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सनातन संस्कृति से भी जोड़कर रखा जाए। उन्होंने अंत में सभी को दीपावली की मंगलकामनाएं दीं। संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, मोन्टेसरी इंचार्ज प्रियांषी आडवानी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं।



सेवा सदन अस्पताल में 6 से 10 नवंबर तक 24 घंटे मिलेगी इमरजेंसी नेत्र चिकित्सा सेवा

हिरदाराम नगर।

दीपावली के अवसर पर 6 से 10 नवंबर 2026 तक सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर में पांचों दिन 24 घंटे आपातकालीन (इमरजेंसी) नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पर्व के दौरान पटाखों से आंखों में चोट लगने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, अस्पताल प्रबंधन द्वारा रात के समय भी डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों की विशेष तैनाती की गई है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को तुरंत इलाज मिल सके।

बता दें वर्ष 2015 से 2025 तक दीपावली के अवसर पर भोपाल और आसपास के क्षेत्रों से आतिशबाजी के कारण आंख, में चोट लगने वाले अनेक मरीज इलाज के लिए सेवा सदन पहुंचे थे। ऐसे मामलों में समय पर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने और मरीजों की दृष्टि को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से अस्पताल प्रबंधन द्वारा हर साल यह विशेष व्यवस्था की जाती है। यह सुविधा संत हिरदाराम नगर स्थित सेवा सदन के सिटी सेंटर (पुराना अस्पताल) में भी उपलब्ध रहेगी।



हेल्पलाइन नंबर जारी

आंखों में चोट लगने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के लिए अस्पताल ने 9516546821 हेल्पलाइन मोबाइल नंबर जारी किया है। घायल व्यक्ति या उनके परिजन इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

एक तरफ पौधरोपण का संदेश दूसरी तरफ पेड़ों का कत्ल

रीठी सी.एच.सी. में 30 साल पुराना कंजी का पेड़ काटा

कटनी, यशभारत। जिले में एक ओर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर रीठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को छांव देने वाला करीब 30 साल पुराना कंजी का पेड़ काट दिया गया। पेड़ की कटाई के बाद चबूतरा तो बचा है, लेकिन मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत देने वाली छांव गायब हो गई है। अस्पताल परिसर में यह पेड़ मरीजों और उनके परिजनों के बैठने का सहारा था। तेज धूप में लोग इसके नीचे बने चबूतरे पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते थे। अब पेड़ हटने से वहां आने वाले लोगों को धूप में बैठने की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।



किसके आदेश पर चली कुल्हाड़ी?

पेड़ कटाई को लेकर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं, क्योंकि जिला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को पौधरोपण के प्रति जागरूक कर रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य केंद्र परिसर में वर्षों पुराने पेड़ को काटने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या इसके लिए कोई तकनीकी या सुरक्षा संबंधी कारण था? क्या संबंधित अनुमति ली गई थी और क्या मरीजों की सुविधा के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई?

विभाग की चुप्पी, मरीजों की परेशानी

फिलहाल पेड़ कटाई के पीछे स्वास्थ्य विभाग का पक्ष सामने नहीं आया है। यदि पेड़ किसी आवश्यक कारण से हटाया गया है, तो विभाग को इसकी वजह सार्वजनिक करनी चाहिए। साथ ही परिसर में पौधरोपण और मरीजों के बैठने के लिए छांव की व्यवस्था करना जरूरी है। सवाल सिर्फ एक पेड़ कटने का नहीं, बल्कि अस्पताल आने वाले मरीजों की सुविधा और पर्यावरण संरक्षण के दावों के बीच संतुलन का है। अब देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में क्या जवाब देता है और मरीजों को राहत देने के लिए क्या कदम उठाता है।



पारिवारिक विवाद से वित्तीय धोखाधड़ी तक की शिकायतें

पुलिस अधिकारियों ने किया शिकायतों का निराकरण

कटनी, यशभारत। आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से एसपी ऑफिस में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों की शिकायतें गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं तथा संबंधित थाना प्रभारियों और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार की शिकायतें सामने आईं। इनमें पारिवारिक एवं पड़ोस संबंधी विवाद, दस्तावेजों का दुरुपयोग कर ऋण लेने की धोखाधड़ी, पैसों के लेन-देन से जुड़े मामले, मकान और दुकान पर अवैध कब्जाए महिला द्वारा ब्लैकमेलिंगए वित्तीय धोखाधड़ीए पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं किए जाने की शिकायतें तथा प्लॉट एवं भूमि विवाद शामिल रहे। इसके अलावा महिला अपराध सहित अन्य पुलिस संबंधी प्रकरण भी अधिकारियों के समक्ष रखे गए। पुलिस अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की जांच कर शीघ्रए निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने पर जोर दिया गयाए ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। जनसुनवाई में एएसपी कमल मौर्य, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा, एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, डीएसपी अनिमेष द्विवेदी उपस्थित रहे।

युवा उत्सव में छात्राओं ने दिखाई साहित्यिक प्रतिभा



प्रश्न मंच, वाद-विवाद और वक्तृता प्रतियोगिताओं में भारतीय ज्ञान परंपरा पर रखे विचार

कटनी,यशभारत। शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में युवा उत्सव के द्वितीय दिवस साहित्यिक विधा की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रश्न मंच में भारतीय ज्ञान परंपरा, वाद-विवाद में आधुनिक शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परंपरा की अनिवार्यता तथा वक्तृता में 'वसुधैव कुटुम्बकम् : वैश्विक शांति और बंधुत्व के लिए भारतीय दर्शन' विषय पर छात्राओं ने विचार रखे।प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी बौद्धिक क्षमता, तार्किक चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में साहित्यिक अभिरुचि और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।



छह गांवों से निकली ग्राम तीर्थ यात्रा

दीप यज्ञ और भंडारे के साथ समापन

कटनी,यशभारत। अखिल विश्व गायत्री परिवार जिला द्वारा रविवार को आयोजित ग्राम तीर्थ यात्रा छह गांवों से होते हुए खड़ैला खेरमाई मंदिर पहुंची। यहां विशाल दीप यज्ञ के बाद भंडारे के साथ यात्रा का समापन हुआ। सुंगरहा से शुरू हुई यात्रा में सुसज्जित बैलगाड़ी को रथ का स्वरूप दिया गया। इसमें गुरुजी, माताजी और गायत्री माता की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान और गायत्री माता के स्वरूप में बाल कलाकारों ने आध्यात्मिक संदेश दिया। ग्रामीणों ने 20 स्थानों पर आरती, पुष्पवर्षा, रंगोली और अन्नदान से यात्रा का स्वागत किया। माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित यात्रा का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्रि समूह साधना की ऊर्जा को जनजागरण और गायत्री परिवार के विचारों के प्रसार में नियोजित करना रहा। आयोजन के लिए एक माह में 500 परिवारों से संपर्क किया गया।

6 व्यवसायियों को जारी किया नोटिस

निर्धारित मानकों की अनदेखी एवं खुले में विक्रय से जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव को लेकर निगम प्रशासन की कार्यवाही



कटनी,यशभारत। नगर में स्वच्छता व्यवस्था एवं नागरिकों के स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन ने खुले में अवैध एवं अस्वास्थ्यकर तरीके से मांस-मछली का विक्रय करने वाले दुर्गा चौक तिलक कॉलेज मोड़ के 6 व्यवसायियों के विरुद्ध सख्ती बरतते हुए संबंधित विक्रेताओं को खुले में मांस-मछली का विक्रय तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य अधिकारी निशांत कनोजिया द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि बिना वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) एवं निर्धारित स्वच्छता मानकों का पालन किए बिना मांस-मछली का विक्रय किया जाना नियम विरुद्ध है। विशेष रूप से अपारदर्शी कांच अथवा जाली से ढके बिना खुले में मांस-मछली का प्रदर्शन एवं विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस तरह की गतिविधियों से आसपास गंदगी, दुर्गंध एवं मक्खियों का प्रकोप बढ़ने के साथ नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। निगम प्रशासन ने संबंधित विक्रेताओं को नोटिस प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर खुले में किए जा रहे मांस-मछली के अवैध विक्रय को तत्काल बंद करने तथा स्थल से संबंधित अतिक्रमण एवं सामग्री स्वयं हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समयावधि में निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध अर्थदंड, सामग्री की जब्ती एवं न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

आबादी भूमि की रजिस्ट्री में विसंगतियां

सभी पात्र संतानों के संयुक्त पंजीयन और आवासीय अधिकारों की मांग

कटनी,यशभारत। आबादी भूमि के मालिकाना हक और पंजीयन अभियान में विसंगतियों को लेकर लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी ने मध्यप्रदेश सरकार से प्रक्रिया में सुधार की मांग की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बिंदेश्वरी पटेल ने कहा कि एक ही परिवार की एक संतान के नाम रजिस्ट्री होने से अन्य संतानों के आवासीय अधिकार अधर में पड़ सकते हैं। श्री पटेल ने कहा कि कई परिवार वर्षों से आबादी भूमि पर निवास कर रहे हैं। ऐसे में सर्वे के दौरान केवल एक संतान का नाम दर्ज कर रजिस्ट्री करने से बाकी संतानों के अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। इससे पारिवारिक विवाद भी बढ़ सकते हैं। पार्टी ने मांग की है कि सर्वे में सभी पात्र संतानों और वास्तविक निवासियों के नाम दर्ज किए जाएं।आवश्यकतानुसार संयुक्त पंजीयन अथवा नियमानुसार अलग-अलग आवासीय अधिकार दिए जाएं। किसी भी पात्र व्यक्ति को बिना सुनवाई उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जाए। बिंदेश्वरी पटेल ने कहा कि सरकार की पहल स्वागत योग्य है, लेकिन इसका उद्देश्य केवल रजिस्ट्री करना नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र परिवार को न्यायपूर्ण आवासीय अधिकार देना होना चाहिए। उन्होंने सर्वे और पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा शिकायतों के समयबद्ध निराकरण की व्यवस्था बनाने की मांग की।

49 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं का चयन

16 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन, 21 से 45 वर्ष की विवाहित महिलाएं कर सकेंगी आवेदन

कटनी,यशभारत। जिले में पांच वर्ष बाद 49 ग्रामीण आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया 16 नवंबर से शुरू होगी। पात्र महिलाएं 16 दिसंबर तक एमपी ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। सीएमएचओ डॉ. राज सिंह ठाकुर के अनुसार, बड़वारा में 7, विजयराघवगढ़ में 12, ढीमरखेड़ा में 8, बहोरीबंद में 11, मुड़वारा में 7 और रीठी में 4 पद रिक्त हैं।आवेदिका संबंधित ग्राम की निवासी, विवाहित महिला, 21 से 45 वर्ष आयु की तथा न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। चयन कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की निगरानी में होगा। आवेदन के बाद 17 से 25 दिसंबर तक ग्रामसभा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए जाएंगे। दावा-आपत्तियों और जिला स्तर पर अपील के निराकरण के बाद 5 मार्च तक चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आवेदन केवल ऑनलाइन मान्य होंगे।

माफिया राज के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

पुलिस अधिकारियों की सुरक्षा पर उठाए सवाल

माफियाओं को संरक्षण देने वालों पर कार्रवाई की मांग

कटनी, यशभारत। मध्यप्रदेश में बढ़ते माफिया तंत्र और बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी शहर ने प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने शराब, रेत और खनिज माफियाओं के बढ़ते प्रभाव पर सवाल उठाते हुए पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।



जिला कांग्रेस अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। हाल ही में खातौंगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की शराब माफिया द्वारा ट्रक से कुचलकर हत्या किए जाने की घटना कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जब पुलिस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

श्री शुक्ला ने कहा कि माफियाओं को संरक्षण देने वालों पर भी कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस कानून का राज स्थापित करने के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। ज्ञापन में थाना प्रभारी की हत्या के सभी आरोपियों पर कठोर कार्रवाई, प्रदेश में सक्रिय माफियाओं के अवैध कारोबार पर रोक, माफियाओं को संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच तथा पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। कांग्रेस ने कटनी जिले में भी अवैध गतिविधियों और माफिया तंत्र पर प्रभावी नियंत्रण की मांग उठाई। प्रदर्शन में प्रेम बत्रा, राजा जगवानी, राजेश जाटव, अजय जैसवानी, श्याम पाहुजा, आफताब अहमद, विजय मंगल चौधरी, अहमद कुरैशी, राहुल होतवानी, नारायण निषाद, राजकुमार विश्वकर्मा, रमेश अहिरवार, कपिल पटेल, अंशु गुप्ता, ऋषभ पटेल, लक्ष्मी यादव, इकलाख अहमद और हर्षित मिश्रा सहित कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्र के समान 63 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की मांग

11 सूत्रीय मांगों को लेकर लघु वेतन कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

कटनी, यशभारत। मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ द्वारा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं लंबित मांगों के निराकरण को लेकर 4 नवंबर को मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम 11 सूत्रीय ज्ञापन तहसीलदार आशीष चतुर्वेदी के माध्यम से सौंपा गया। संघ के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने बताया कि ज्ञापन में प्रदेश के विभिन्न शासकीय विभागों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, दैनिक वेतनभोगी, स्थायी कर्मियों, अंशकालीन कर्मचारियों, रसोइया बहनों तथा आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। संघ ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का ग्रेड पे 1800 रुपये निर्धारित करने तथा मध्य प्रदेश शासन के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान 63 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की मांग की है। इसके साथ ही स्थायी कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने और मृत स्थायी कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने की मांग भी शामिल है।



ज्ञापन में सभी विभागों में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों को न्यूनतम 25 हजार रुपये मासिक वेतन देनेए रसोइया बहनों एवं स्व सहायता समूहों को तीन माह के लंबित मानदेय का भुगतान दीपावली से पूर्व करने तथा कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना शीघ्र लागू करने की मांग उठाई गई है। इसके अलावा आउटसोर्स कर्मचारियों को श्रम विभाग द्वारा निर्धारित सभी लाभ प्रदान करनेए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को केंद्र सरकार के समान दीपावली बोनस देने तथा वेतन विसंगतियों को दूर करने की मांग की गई है। संघ ने कटनी जिले के सभी विभागों में विभागीय परामर्शदात्री बैठकें एवं जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री बैठक आयोजित करने की मांग भी रखी है। संघ पदाधिकारियों ने शासन से मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर शीघ्र उचित निर्णय लेने का आग्रह किया, ताकि विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों को आर्थिक राहत एवं नियमानुसार सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर संघ के उप प्रांताध्यक्ष अजय गौतम, सौरभ सिंह, राकेश जसूजा, हरीश बेन, नीलेश पौराणिक, भागीरथ तिवारी, बाबूलाल अहिरवार, रामवतार, अजीमुद्दीन शाह, विश्वकर्मा, दीपक चंदवानी, बालकदास, नरेश राठौर, रत्ना ठाकुर, जमुना महतो, अर्चना सेन, खुशबू, ललिता चौधरी, राकेश पांडेय, रामलोचन यादव, राघवेंद्र श्रीवास्तव, दयाशंकर साकेत, बबलू चौधरी, ऊषा, ज्योति, साधना, गिरिजा बाई, दुर्गेश, विमला, रेनू रजक, सुधा, रामसखी, बबीता, इन्द्रा, शोभा, ममता, रजनी, रागिनी, सपना, दुर्गा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

रंगकर्मी शशिंद्र कुट्टी नायर को मातृ शोक



कटनी, यशभारत। रंगकर्मी और आर्टिस्ट शशिंद्र कुट्टी नायर की माताजी एवं जीके कुट्टी की धर्मपत्नी श्रीमती अन्नम्मा कुट्टी का गत दिवस निधन हो गया। वे 87 वर्ष की थी तथा कुछ समय से अस्वस्थ थी। निधन की खबर मिलते ही गायत्री नगर क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया। अपने मिलनसार स्वभाव की वजह से वे सभी की प्रिय थी। उनकी इच्छानुसार अंतिम संस्कार नर्मदा तक ग्वारीघाट पर संपन्न हुआ। अंतिम संस्कार में पारिवारिक मित्रों और स्नेहीजनों की मौजूदगी रही। उनके गायत्री नगर निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने सभी वर्गों के लोग पहुंचे। यशभारत परिवार इस दुख में सहभागी है तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है।

300 किलो महुआ लाहन नष्ट कराया पुलिस ने



कटनी, यशभारत। बहोरीबंद पुलिस ने अवैध शराब बिक्री एवं निर्माण के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध शराब जप्त करने में सफलता प्राप्त की है । थाना बहोरीबंद पुलिस ग्राम बचैया क्षेत्र में अवैध शराब का भंडारण एवं विक्रय करने वाले व्यक्तियों के ठिकानों पर दबिश दी गई। मौके पर मनी बर्मन पिता शिवचरण बर्मन निवासी ग्राम बचैया से 10 लीटर कच्ची महुआ शराब अनुमानित कीमत 5000 रुपए की जप्त की गयी एवं करीब 300 किलो महुआ लाहन को मौके पर नष्ट किया गया। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(1) के तहत कार्यवाही की गई।

सब-जूनियर जिला जूडो दल का गठन इंदौर में करेंगे जबलपुर का प्रतिनिधित्व



जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश जूडो एसोसिएशन के निर्देशन में इंदौर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाली आगामी सब-जूनियर राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता (दिनांक 22 से 24 नवंबर 2026) के लिए जबलपुर जिला सब-जूनियर बालक एवं बालिका जूडो दल का गठन सफलतापूर्वक किया गया।जबलपुर जिला जूडो संघ के सचिव एवं वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 नवंबर 2026 को आयोजित चयन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न भार वर्ग के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जिला टीम में शामिल किया गया है। यह चयनित खिलाड़ी अब इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जबलपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी आगामी 12 से 16 दिसंबर 2026 तक लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में होने वाली राष्ट्रीय सब-जूनियर जूडो प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश राज्य दल का हिस्सा बनेंगे।

लोक बहादुर को एशियन हॉकी चैंपियनशिप में हॉकी इंडिया का आमंत्रण



जबलपुर, यशभारत। हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव लोक बहादुर को हॉकी इंडिया द्वारा सीनियर पुरुष एशियन हॉकी चैंपियनशिप में आमंत्रित किया गया। इस दौरान उन्होंने भारत और कोरिया की हॉकी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हॉकी मध्यप्रदेश के महासचिव को आमंत्रित किया जाना प्रदेश में हॉकी गतिविधियों और खेल संगठन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। लोक बहादुर की भारतीय एवं कोरियाई टीम से मुलाकात के दौरान खिलाड़ियों और टीम सदस्यों से खेल को लेकर चर्चा भी हुई।

एडवोकेट प्रीमियर लीग में रॉयल सनराइज और एक्का ने दर्ज की जीत



जबलपुर, यशभारत। जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर द्वारा आयोजित 17वीं एडवोकेट प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के पहले मैच में टीम एवेंजर और रॉयल सनराइज के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें रॉयल सनराइज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। मैच में उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मुकाबले में टीम एक्का और नवरंग के बीच भिड़ंत हुई। इस मैच में टीम एक्का ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम की। शानदार प्रदर्शन के लिए एडवोकेट कार्तिक शुक्ला को मैन ऑफ द मैच के खिताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, सचिव शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष सुनीता गुप्ता, सह सचिव शैलेन्द्र यादव, पुस्तकालय सचिव रविन्द्र दत्त तथा कार्यकारिणी सदस्य रीता नोटियाल, अमित आचार्य, धीरज खुल्लर, बाबा परसाई, अमित कोहली, विकास कुमार संटू, शशि तिवारी, संजय यादव, अरुण मिश्रा, तरुण रोहितास, नईम खान, मोहित अग्रवाल, शाहरुख और रजनीश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा बवाल, एक गोल के बाद मैदान बना जंग का अखाड़ा,रेफरी ने दिखाए 51 रेड कार्ड, मैच रद्द

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील में अंडर-20 फुटबॉल मुकाबले के दौरान खेल भावना को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। उबरलांडिया और मामोरे के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मुकाबले में एक गोल के बाद ऐसा विवाद भड़का कि पूरा मैदान मारपीट के अखाड़े में तब्दील हो गया। खिलाड़ियों के साथ कोचिंग स्टाफ, टीम अधिकारियों और बॉल बॉय तक ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि मुकाबला बीच में ही रद्द करना पड़ा। रेफरी ने हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 51 रेड कार्ड दिखाए। इसे फुटबॉल इतिहास में एक मैच के दौरान सबसे ज्यादा रेड कार्ड दिखाए जाने की घटना बताया जा रहा है।

यह हैरान करने वाली घटना ब्राजील के मिनास गैरैस राज्य में अंडर-20 कैम्पियोनाटो मिनेइरो (सेकंड डिवीजन) के सेमीफाइनल मुकाबले में हुई। एस्टाडियो पारके डो साबिया में उबरलांडिया और मामोरे की टीमें आमने-सामने थीं। मुकाबले के दूसरे हाफ में 54वें मिनट पर मामोरे ने गोल दागकर अपनी बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद मैदान पर तनाव शुरू हुआ और देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया।

गोल के बाद विपक्षी टीम को चिढ़ाना पड़ा भारी

रेफरी फर्नांडो पैट्रिक ड्रोसघिक मोडेस्टो की आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, मामोरे के फॉरवर्ड डावी ने गोल करने के बाद विपक्षी टीम के बेंच की ओर दौड़



लगाई और वहां मौजूद स्थानापन्न खिलाड़ियों तथा स्टाफ को चिढ़ाया। इस हरकत से उबरलांडिया के खेमे में नाराजगी फैल गई। इसी दौरान टीम के गोलकीपिंग कोच पाउलो सर्जियो डायस डॉस सैंटोस मैदान में घुस आए और डावी से भिड़ गए। दोनों के बीच शुरू हुई कहासुनी जल्द ही हाथापाई में बदल गई। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी भी झड़प में कूद पड़े।विवाद बढ़ने पर दोनों टीमों के स्थानापन्न खिलाड़ी, तकनीकी स्टाफ और अधिकारी भी मैदान में पहुंच गए। रेफरी की रिपोर्ट में छह बॉल बॉय के भी हिंसा में शामिल होने का उल्लेख है। आरोप है कि उन्होंने मामोरे के सदस्यों पर सामान, कुर्सियों और स्ट्रेचर से हमला किया। स्टेडियम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थिति नियंत्रित करने के लिए स्थानीय सैन्य पुलिस को बुलाना पड़ा।

घटना के बाद दोनों टीमों के खेमों की ओर से तोड़फोड़ के आरोप भी सामने आए। बताया गया कि उबरलांडिया के अधिकारियों ने मामोरे के सदस्यों के उपकरणों को नुकसान पहुंचाया, जबकि मामोरे के सदस्यों पर घरेलू टीम के ड्रेसिंग रूम में तोड़फोड़ करने का आरोप लगा। हिंसा और सुरक्षा व्यवस्था बिगड़ने के कारण मैच को आगे जारी रखना संभव नहीं हो सका और मुकाबला रद्द कर दिया गया।

36 रेड कार्ड का पुराना रिकॉर्ड भी टूटा

इस मुकाबले में रेड कार्ड की संख्या ने फुटबॉल जगत को चौंका दिया। हिंसा शुरू होने से पहले ही तीन खिलाड़ियों को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर किया जा चुका था। इसके बाद रेफरी ने अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में झड़प में शामिल 48 अन्य लोगों को भी रेड कार्ड दिया। इस तरह कुल 51 रेड कार्ड जारी किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें 43 खिलाड़ी, आठ सपोर्ट स्टाफ सदस्य और दो बोर्ड अधिकारी शामिल थे।इससे पहले एक फुटबॉल मैच में सबसे ज्यादा रेड कार्ड दिखाए जाने का रिकॉर्ड अर्जेंटीना के क्लब क्लेपोल और विक्टोरियानो एरेनास के नाम था। वर्ष 2011 में पांचवें डिवीजन के मुकाबले के दौरान रेफरी ने कुल 36 रेड कार्ड दिखाए थे। ब्राजील के इस मुकाबले में 51 रेड कार्ड जारी होने के साथ ही पुराना रिकॉर्ड काफी पीछे छूट गया। फुटबॉल के मैदान पर अनुशासन और खेल भावना की मिसाल पेश करने के बजाय हुई इस हिंसक घटना ने खेल जगत में खिलाड़ियों और अधिकारियों के आचरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

38 साल के हुए विराट कोहली, क्रिकेट जगत ने दी बधाई

रैना बोले- एक बार किंग, हमेशा किंग; रवि शास्त्री ने मजाकिया अंदाज में कहा- 38 के हो रहे हो,

मुंबई, यशभारत। भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली गुरुवार को 38 साल के हो गए। उनके जन्मदिन पर क्रिकेट जगत से बधाइयों का सिलसिला जारी रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सोशल मीडिया पर खास अंदाज में उन्हें शुभकामनाएं दीं। दोनों ने विराट के शानदार क्रिकेट करियर, खेल के प्रति जुनून और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना की।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें किंग बताया। रैना ने लिखा कि उनकी शानदार कवर ड्राइव और यादगार रन चेज ने क्रिकेट प्रशंसकों को कई अविस्मरणीय पल दिए हैं। खेल के प्रति उनका जुनून, मुश्किल परिस्थितियों में संघर्ष करने का जज्बा और जीतने की भूख ही उन्हें दूसरे खिलाड़ियों से अलग बनाती है। रैना ने कहा कि विराट को बल्लेबाजी करते देखना हमेशा खुशी का अनुभव रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विराट इसी तरह



लोगों को प्रेरित करते रहेंगे और भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित करेंगे। अपने संदेश के अंत में रैना ने लिखा, %एक बार किंग, हमेशा किंग।

वहीं, पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी अपने चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में विराट को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विराट की बल्लेबाजी करते हुए एक तस्वीर साझा की और लिखा कि जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई चैंपियन। 37वें साल के आखिरी दिनों में भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हो। इसी तरह अपना खेल जारी रखो। शास्त्री ने अपने संदेश में मजाकिया अंदाज में लिखा कि वह 38 साल के हो रहे हैं, लेकिन दिखने में 36 के लगते हैं। उनके इस संदेश ने प्रशंसकों का ध्यान खींचा।

विराट कोहली ने अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में बल्लेबाजी के कई बड़े कीर्तिमान स्थापित किए हैं। टेस्ट, वनडे और टी-20 क्रिकेट में उन्होंने अपनी निरंतरता, तकनीक और आक्रामक खेल से अलग पहचान बनाई है। विशेष रूप से वनडे क्रिकेट में उनके शतकों और लक्ष्य का पीछा करते हुए खेली गई यादगार पारियों ने उन्हें दुनिया के महान बल्लेबाजों की कतार में खड़ा किया है।विराट का जन्मदिन ऐसे समय आया है, जब वह मैदान पर भी शानदार लय में नजर आ रहे हैं। बुधवार को ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 74 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित किया कि उम्र के इस पड़ाव पर भी रनों की भूख और बड़े मुकाबलों में योगदान देने का उनका जज्बा बरकरार है। यही वजह है कि क्रिकेट प्रशंसकों के बीच विराट कोहली का कद आज भी उतना ही बड़ा है।

सेंट एलॉयसिस सदर का गोलों से धमाका



VND फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में

जबलपुर, यशभारत। जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में शिवाजी ग्राउंड सदर में खेली जा रही VND फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में बुधवार को दो मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में सेंट एलॉयसिस स्कूल सदर ने गोयनका स्कूल को 9-1 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे मुकाबले में सेंट थॉमस स्कूल ने सत्य प्रकाश स्कूल को 8-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।पहले मुकाबले में सेंट एलॉयसिस सदर ने शुरुआत से ही आ ामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने मैच के पांचवें मिनट में पहला गोल दागकर बढ़त बनाई। इसके बाद 15वें और 20वें मिनट में लगातार दो गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। गोयनका स्कूल ने 22वें मिनट में गोल कर वापसी की कोशिश की और स्कोर 3-1 किया, लेकिन सेंट एलॉयसिस के खिलाड़ियों ने दबाव बनाए रखा। 30वें मिनट में एक और गोल के साथ मध्यांतर तक टीम 4-1 से आगे रही। मध्यांतर के बाद भी सेंट एलॉयसिस का आ ामक प्रदर्शन जारी रहा। टीम ने 40वें, 45वें, 50वें, 60वें और 70वें मिनट में लगातार पांच गोल दागकर स्कोर 9-1 पहुंचा दिया। इस तरह सेंट एलॉयसिस सदर ने एकतरफा मुकाबले में 9-1 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। दिन का दूसरा मुकाबला सत्य प्रकाश स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल के बीच खेला गया। इस मैच में सेंट थॉमस ने शुरुआत से ही विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। टीम ने पांचवें मिनट में पहला गोल किया, जबकि 12वें और 15वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर बढ़त 3-0 कर दी। इसके बाद 35वें मिनट में चौथा गोल कर मध्यांतर तक स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे हाफ में सत्य प्रकाश स्कूल ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन सेंट थॉमस की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर सेंट थॉमस ने 50वें, 55वें, 60वें और 65वें मिनट में चार और गोल कर स्कोर 8-0 कर दिया। निर्धारित समय समाप्त होने पर सेंट थॉमस स्कूल ने 8-0 से शानदार जीत दर्ज की।

रंग संसार



अभिनेत्री कनिका मान ने बताई पूर्व प्रेमी की हैवानियत भरी कहानी

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कनिका मान ने हाल ही में अपने जीवन के एक दर्दनाक अध्याय को साझा करते हुए अपने पहले रिश्ते के भयावह अनुभवों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि किस तरह उनका पूर्व प्रेमी उनके साथ शारीरिक और भावनात्मक रूप से बुरा बर्ताव करता था, जिसने उनकी जिंदगी को नर्क बना दिया था। इस आपबीती ने उन कई महिलाओं की कहानी को सामने लाया है, जो ऐसे रिश्तों में फंसकर हिंसा का शिकार होती हैं। कनिका ने बताया कि कॉलेज के दिनों में जब उनका पहला बॉयफ्रेंड बना, तो वह मानसिक रूप से अस्थिर था और बेहद बुरा बर्ताव करता था। कनिका ने एक डरावनी घटना साझा की, जब उनके पूर्व प्रेमी ने बिना बताए उनकी क्लास में आकर उन्हें केवल धारीदार सूट पहनने की वजह से पूरे कॉरिडोर के सामने इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उनके कानों से खून बहने लगा। उस समय उनके कानों में हाल ही में छेद करवाए गए थे। उन्होंने बताया कि उस वक्त कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया, जिसने उन्हें और भी अकेला महसूस कराया। यह केवल एक घटना नहीं थी। कनिका ने बताया कि उनका पूर्व प्रेमी उनके हर कदम पर नजर रखता था, उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश करता था और उनका फोन छीनकर भीड़ में फेंक देता था। एक बार उसने उनके हॉस्टल के कमरे की चाबियां भी फेंक दी थीं, जिससे वह मुश्किल में पड़ गई।

कृति सेनन ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण को दी अपनी आवाज



मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कृति सेनन एक बार फिर अपने एक खास प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा का विषय बन गई हैं। इस बार उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म, ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण के लिए अपनी आवाज दी है, जिसके लिए वह बेहद उत्साहित हैं। कृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डबिंग सेशन की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उनके साथ फिल्म भेड़िया के निर्देशक अमर कौशिक और उनके को-स्टार वरुण धवन भी नजर आए। इस तिकड़ी की मुलाकात ने फैंस को उनकी पुरानी ऑनस्क्रीन जोड़ी और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री की याद दिला दी।

कृति ने अपने पोस्ट में बताया कि ऑब्सेशन जैसी शानदार फिल्म की सशक्त परफॉर्मेंस को हिंदी में अपनी आवाज देना उनके लिए एक अनूठा और बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने विशेष रूप से फिल्म में इंडेना नवरेटे के अभिनय की जमकर तारीफ की। कृति ने कहा कि डबिंग के दौरान इंडेना की परफॉर्मेंस को देखकर उनके एक बार फिर रोंगटे खड़े हो गए। अभिनेत्री के मुताबिक, यह एक बेहद शानदार फिल्म है जिसमें सभी कलाकारों ने अद्भुत काम किया है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट का एक छोटा-सा हिस्सा बनने पर अपनी खुशी भी व्यक्त की, जो उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव जोड़ता है। डबिंग स्टूडियो में वरुण धवन और अमर कौशिक के साथ उनकी मुलाकात भी उनके पोस्ट का एक अहम हिस्सा बनी।

कृति ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि जब वुल्फपैक को किसी चीज का जुनून चढ़ जाए, तो कुछ ऐसा ही होता है। यह टिप्पणी उनकी हिट फिल्म भेड़िया के संदर्भ में थी, जहां तीनों ने साथ काम किया था। कृति ने दोनों के साथ दोबारा मिलना और काम के सिलसिले में एक साथ समय बिताना यादगार बताया और उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। यह मुलाकात उनके प्रशंसकों के लिए भी एक ट्रीट थी, जो उन्हें फिर से एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। ऑब्सेशन के हिंदी वर्जन के दो प्रमोशनल वीडियो भी कृति की आवाज में जारी किए जा चुके हैं।





किंग के नए गाने में सुहाना खान की पहली झलक को लेकर अटकलें

मुंबई (यशभारत)। अभिनेता शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। हाल ही में फिल्म का नया गाना तू मिल जाए जारी किया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। हालांकि, इस गाने के साथ एक और बात सुर्खियों में आ गई है। कई फैंस यह दावा कर रहे हैं कि उन्हें इस गाने में शाहरुख खान की बेटी, सुहाना खान की भी एक झलक देखने को मिली है। इस कथित झलक ने सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है और लोग फिल्म में उनके किरदार को लेकर कयास लगा रहे हैं। यह खास सीन गाने के लगभग दो मिनट बाद आता है, जो देखने में एक एक्शन सीक्वेंस का हिस्सा प्रतीत होता है। इसमें एक लड़की आग की लपटों से घिरे एक घर की तरफ देखती हुई नजर आती है। हालांकि, लड़की का चेहरा स्पष्ट रूप से नहीं दिखता, लेकिन फैंस का मानना है कि यह सुहाना खान ही हैं, जिन्होंने शायद फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस छोटी सी झलक ने दर्शकों के बीच कई तरह की अटकलें पैदा कर दी हैं। एक फैन ने कमेंट किया, सुहाना खान? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि किंग के नए गाने में ये सुहाना खान ही हैं। कुछ ने इससे भी आगे बढ़कर सवाल किए, जैसे क्या सुहाना खान किसी चीज का सिर पकड़े हुए हैं?

अमिताभ बच्चन ने गलत खबर पर मीडिया को लताड़ा

मुंबई (यशभारत)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में मीडिया में छपी एक खबर को लेकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। अमिताभ ने आरोप लगाया है कि उनके शब्दों को मीडिया प्रचार के लिए गलत संदर्भ में पेश कर रहा है। इतना ही नहीं, सदी के महानायक ने इसके लिए मीडिया को कड़ी चेतावनी भी दी है। दरअसल, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें उन्होंने भगवान कृष्ण के लिए अक्सर इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पंक्ति, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से जुड़ा एक भावुक संदेश और ब्लॉग लिखा था। अमिताभ का कहना है कि मीडिया ने इन शब्दों को तोड़मरोड़कर प्रस्तुत किया है।

अमिताभ ने स्पष्ट किया कि उनका पोस्ट वास्तव में भगवान कृष्ण के प्रति एक प्रार्थना थी और उनके शब्द न किसी राजनीतिक बयान का हिस्सा थे, न ही किसी विरोधी पर उन्होंने कोई तंज कसा था। उन्होंने कहा कि मीडिया ने ऐसी



खबर छापकर धार्मिक नजरिए से भी गलत किया है और इसे धर्म का निरादर भी बताया है। अपनी पोस्ट में, अमिताभ ने मीडिया में संबंधित खबर की हैडिंग का भी जिक्र किया, जिसमें उनके शब्दों को गलत तरीके से चुनौती के रूप में पेश किया गया था। उन्होंने कहा, और मीडिया उसका निरादर करके, अपना प्रचार करने के लिए, छापता है, देखिए ये अमिताभ अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा है, की, ले आओ हाथी घोड़ा हम अपने हथियारों से लड़ेंगे, डरेंगे नहीं ! एक तो घोर निंदा एक जय श्री कृष्ण के उपलक्ष्य में, और दूसरा , शब्दों को पलट कर विरोधियों को चुनौती देने की बात कर रहे है।

अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए, दिग्गज अभिनेता ने मीडिया को एक कड़ा संदेश भी दिया, जिसमें कहा गया कि उनके पांच करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं और अगर उन्हें केवल एक इशारा भी मिल जाए तो उनमें से दस प्रतिशत भी उनके समर्थन में आ जाएंगे, जिससे स्थिति भारी पड़ सकती है। मेगास्टार ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी कहा कि जब किसी सार्वजनिक हस्ती से गलती होती है, तो वे तुरंत माफी मांग लेते हैं और सुधार करने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब किसी भी मीडिया की तरफ से गलती होती है, तो उनकी तरफ से कोई माफी नहीं आती है।

धनतेरस के लिए बाजार गुलजार...

सराफा व बर्तन बाजार में रहेगी सबसे ज्यादा भीड़

व्यापारियों को भी अच्छे कारोबार की उम्मीद



कटनी, यशभारत। रोशनी के महापर्व दीपावली की शुरूआत कल शुक्रवार को धनतेरस से हो रही है। धनतेरस पर कुछ न कुछ खरीदने की परंपरा का इस बार भी निवर्हन किया जाएगा, इसको लेकर शहर के बाजार सजकर तैयार हो गए हैं। बाजार में रौनक नजर आ रही है। आर्थिक मंदी के बावजूद दुकानदारों और व्यापारियों को अच्छी ग्राहकी की उम्मीद है। सबसे ज्यादा भीड़ इलेक्ट्रिक, इलेक्ट्रॉनिक, सराफा और बर्तन बाजार में रहेगी। खरीददारी का सिलसिला शाम से लेकर देर रात तक चलता रहेगा। सुभाष चौक, कपड़ा बाजार, झंडा बाजार, गांधीद्वार सहित अन्य क्षेत्रों में फुटकर दुकानें भी लग गई हैं, जहां अगले तीन दिनों तक जमकर खरीददारी होगी।

क्या है मान्यता - धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस के ही दिन भगवान विष्णु के अंशावतार और देवताओं के वैद्य माने जाने वाले भगवान धन्वन्तरि का जन्म हुआ था। हिंदू पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर धनतेरस का पर्व मनाया जाता है। धनतेरस से दीपोत्सव पर्व की शुरुआत होती है। इस शुभ अवसर पर भगवान धन्वंतरि मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने का विधान है। धनतेरस पर खरीदारी शुभ मानी जाती है। सोना-चांदी लक्ष्मी-गणेश जी की मूर्ति समेत आदि चीजों को खरीदना शुभ होता है। ऐसे में ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियों, दुकानों, शोरूम की ओर से तरह-तरह के ऑफर दिए जा रहे हैं।

इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रानिक्स में भी होगी खरीदी - धनतेरस के एक दिन पहले आज गुरूवार को शहर के बाजारों में खरीदारी करने के लिए लोगो में खासा उत्साह देखा गया। इलेक्ट्रॉनिक, सराफा और फर्नीचर बाजार में किश्तों पर भी सामान उपलध है। मोबाइल, एलईडी टीवी, कार, बाइक, इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक सहित तमाम तरह के सामान की जबर्दस्त बिक्री की उम्मीद से कारोबारियों को अच्छा व्यापार होने की संभावना है। सबसे ज्यादा रकम ऑटोमोबाइल्स सेक्टर खर्च होने की उम्मीद है। ऑटोमोबाइल्स के बाद सबसे ज्यादा रकम इलेक्ट्रॉनिकस आइटस पर खर्च किए जाने की उम्मीद है। बाजार में स्मार्ट मोबाइल, लैपटॉप, वॉशिंग मशीन, एलईडी टीवी, टैब आदि की खासी बिक्री हो रही है। कई कंपनियां एक्सचेंज ऑफर लेकर आई है, जबकि इंस्टॉलमेंट में भी ये आइटस उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स आयटस में सबसे ज्यादा डिमांड वर्तमान में वाशिंग मशीन, आरओ वाटर प्यूरिफायर, माइक्रो ओवन की है।



धनतेरस पूजा शुभ मुहूर्त

1. पूजा का शुभ समय : शाम 6.02 बजे से शाम 7.57 बजे तक
2. प्रदोष काल : शाम 5.33 बजे से रात 8.09 बजे तक
3. वृषभ काल (स्थिर लग्न) शाम 6.02 बजे से शाम 7.57 बजे तक

खरीदारी का शुभ मुहूर्त

1. शुभ चौघड़िया मुहूर्त सुबह 8.16 बजे से सुबह 9.48 बजे तक
2. अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11.48 बजे से दोपहर 12.56 बजे तक
3. दिन की अन्य शुभ खरीदारी समय : सुबह 11.36 बजे से दोपहर 12.24 बजे तक
4. शाम की खरीदारी समय : शाम 6.19 बजे से रात 8.17 बजे तक



जन्मदिन





यशस्वी जीवन के 78 वें वर्ष में प्रवेश

कटनी को अंर्तराष्ट्रीय ख्याति दिलाने वाले कटनी घराना के जनक

टीकाराम कुशवाहा जी

शिक्षा, रंगमंच, संस्कृति, साहित्य सभी क्षेत्रों में सक्रिय व्यक्तित्व को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

संस्थान- (1) किरण नेशनल पब्लिक स्कूल, मोहन नगर कटनी
(2) किरण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ परफार्मिंग आर्ट्स एवं किरण संस्था

विनयावत- दीपक कुशवाहा (पुत्र) श्रीमती नीलिमा (पुत्रवधू)
कु. पूर्वा कुशवाहा (नातिन) वेदांश कुशवाहा (नाती)
सभी मित्रगण, शुभचिंतक
किरण परिवार एवं स्टाफ, मोबाइल नंबर - 9977500636

समस्त नगरवासियों को धनतेरस एवं दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

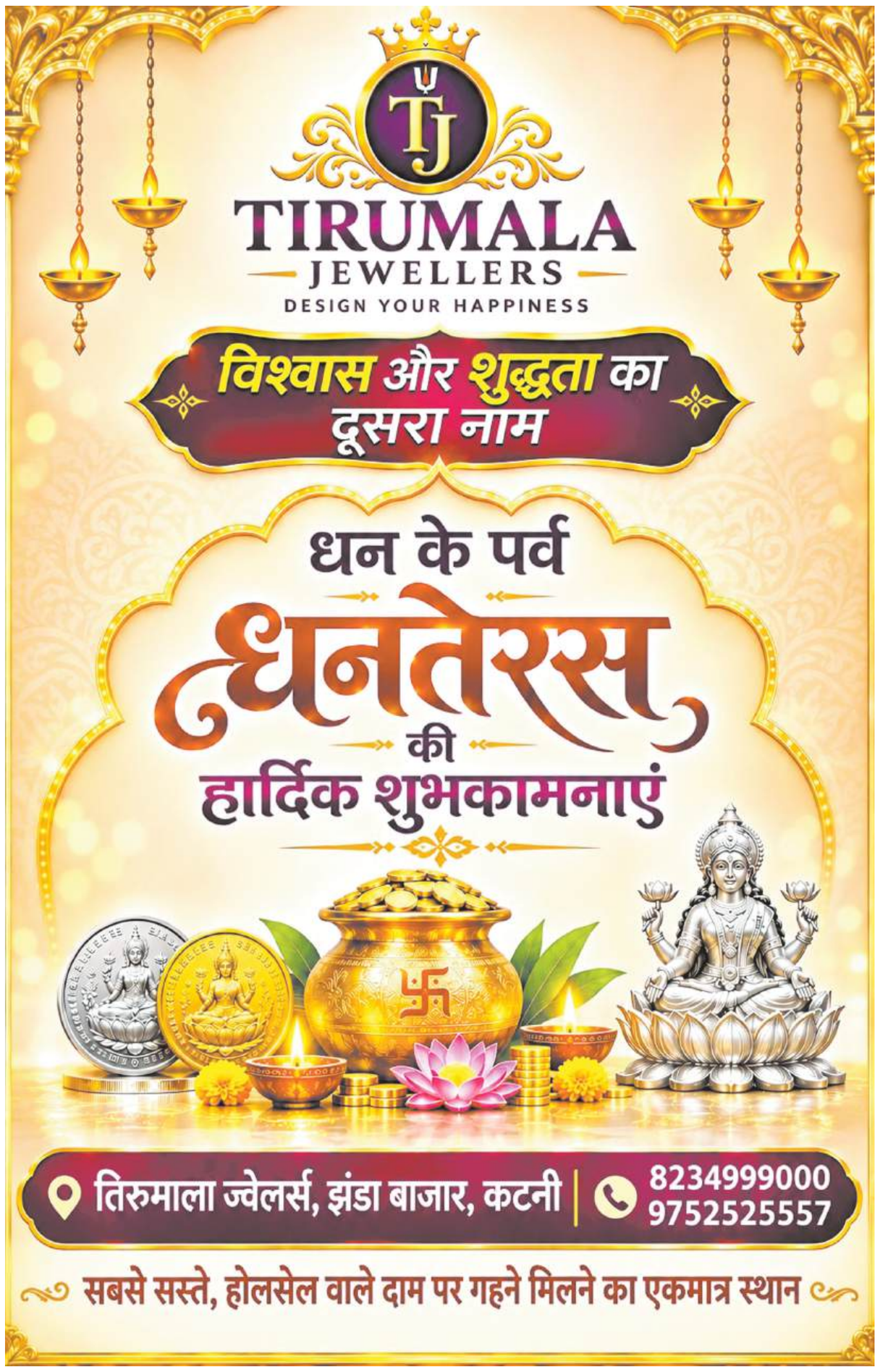
रूपम ज्वेलर्स

सोने एवं चांदी के फैंसी जेवरों के निर्माता एवं विक्रेता



सराफा चौक कटनी (म.प्र.)
9993308089, 8770075085, 9893911655





स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 29, बीएसएनएल ऑफिस के पास, द्वारका सिटी रोड, बरगवां, कटनी से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*, सम्पादक अम्बरीष तिवारी सलाहकार संपादक श्याम कटारे। फोन (07622) 230033, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)